● वर्ष-4
● अंक-68
रायपुर, रविवार
27 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» नायरा बनर्जी आगामी शो...

नया भारत विश्व में अपना उचित स्थान पाने के लिए आगे बढ़ रहा हैः राष्ट्रपति

मानव सेवा मार्ग का यह उत्कृष्ट शुरुआत हैः राज्यपाल

छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से किया जा रहा है विस्तार- मुख्यमंत्री

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु आज अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में विकसित छत्तीसगढ़ का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होगा। समग्र विकास के लिए नागरिकों का अच्छा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण होता है। अच्छा स्वास्थ्य लोगों की उत्पादकता और रचनात्मकता को बढ़ाने में सहायक होता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह शामिल होकर संस्थान के 25 विद्यार्थियों को 33 स्वर्ण पदक एवं 6 विद्यार्थियों को सुपर स्पेशलिस्ट की उपाधि प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा कि यह विद्यार्थियों की अथक प्रयासों, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। यह विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं है बल्कि मानव सेवा के मार्ग पर एक उत्कृष्ट शुरुआत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है, जहां नव-प्रशिक्षित चिकित्सकों की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष श्री रमन सिंह, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रदीप कुमार पात्रा, रजिस्ट्रार सहित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं उनके परिजन उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समरोह के अवसर पर 6337 चिकित्सकों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 6 सुपरस्पेशलिस्ट चिकित्सक, 606 स्नातकोत्तर चिकित्सक और 5725 स्नातक चिकित्सक शामिल हैं। इसके अलावा 25 चिकित्सकों को स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया।

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजाति समाज में सिकल सेल एनीमिया की अभी भी समस्या है। भारत सरकार सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी ही अग्रिम पंक्ति में होते हैं। आप सामान्य लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक बना सकते हैं, आम नागरिकों को सरकार द्वारा किए जा रहे हैं प्रयासों से अवगत करा सकते हैं। आप नीति निर्माता और सम्माननीय जनता के बीच सेतु का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप लोगों के ग्रामीण क्षेत्रों में जाने से देश की बहुत बड़ी जनसंख्या की वास्तविक समस्याओं से अवगत हो पाएंगे। मैं चाहती हूं कि सभी विद्यार्थियों को

समय-समय पर गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अधिकांश जनता गांव में रहती हैं, उन लोगों तक उचित स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना चुनौती पूर्ण कार्य है। इस संदर्भ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य में चिकित्सा शिक्षण, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान इस विश्वविद्यालय के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है। यह प्रसन्नता की बात है कि विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों में आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ आयुष की शिक्षा भी दी जाती है। बहुत सारे कालेजो में नर्सिंग के कोर्स कराए जा रहे हैं। इस प्रकार यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभी भी मलेरिया, फाइलेरिया और टीबी जैसे संक्रमक बीमारियों का पूरी तरह से उन्मूलन नहीं हुआ है। भारत सरकार इन रोगों के उन्मूलन के लिए आगे बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह आपके जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सफलता आपकी प्रतिभा, लगन और परिश्रम के साथ-साथ आपके माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षक के सहयोग और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि आपको अपने भविष्य की रूपरेखा बनाते समय यह ध्यान रखना है कि आपकी इस शिक्षा में समाज का भी योगदान है। समाज ने आपकी शिक्षा में जो निवेश किया है वह समाज को लौटाना आपका कर्तव्य है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आपमें स्थानीय समस्याओं की बेहतर समझ है। आप राज्य के स्वास्थ्य समस्याओं पर रिसर्च करें उनका समाधान खोजने का प्रयास करें।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि महान राष्ट्रवादी विचारों एवं भारतीय राजनीति की सम्मानित विभूतियां में से एक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय में आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

राहुल ने शेयर बाजार में आई तेज गिरावट पर जताई चिंता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय शेयर बाजारों में हाल ही में आई तेज गिरावट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि खुदरा निवेशकों को जोखिम भरे निवेश के लिए शिक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने पार्टी से युवा निवेशकों, नौकरीपेशा लोगों और आम नागरिकों को बचाने के लिए रणनीति बनाने को कहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ बातचीत का एक वीडियो पोस्ट किया है। इसका कैप्शन है... %भ्रष्ट लोगों की रक्षा करने वाले गिरोह में कौन है। उन्होंने अपने 'यूट्यूब' चैनल पर यह वीडियो पोस्ट करते हुए टिप्पणी की, संस्थागत पतन ने भारत में मित्रवादी पूंजीवाद को बढ़ावा दिया है। हमारी अर्थव्यवस्था अब प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा नहीं देती, बल्कि एकाधिकार को बढ़ावा देती है। छोटे और मध्यम व्यवसाय प्रतिगामी कर प्रणालियों में फंस गए हैं, उद्यमियों को पूंजी तक पहुंच पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है और खुदरा निवेशक अनिश्चित और असुरक्षित बाजार की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह उस तरह का माहौल नहीं है जो समृद्धि और नवोन्मेष को सक्षम बनाता है। राहुल गांधी ने दावा किया, माधवी बुच से जुड़ा घोटाला इस बात का उदाहरण है कि जब संस्थाएं ध्वस्त हो जाती हैं और मित्रवादी पूंजीवाद हावी हो जाता है तो क्या होता है। जिन लोगों को आम भारतीय नागरिकों और उनके निवेश की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लिया है और व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार और कदाचार में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि इस घोटाले पर अब तक जो जानकारी सामने आई है वह बस शुरुआत भर है।

खेड़ा ने उठाए सवाल- वहीं कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक बयान जारी कर सवाल पूछा कि मोदी सरकार सेबी प्रमुख को संसदीय जांच से क्यों बचा रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सेबी की स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि,संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) ने बुच समेत सेबी के कई अधिकारियो को तलब किया था। हालांकि, उनकी निर्धारित उपस्थिति से एक घंटे पहले बुच ने एक आपात स्थिति का हवाला देते हुए उपस्थित होने में असमर्थता जताई।

इरफान के विवादित बोल पर बवाल, चुनाव आयोग के पास पहुंची भाजपा

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से मतदाताओं को लुभाने का प्रयास किया जा रहा है। इस कड़ी में प्रत्याशियों की तरफ से कई बार अपने विरोधियों के खिलाफ विवादित बयान भी दिए जाते हैं। ऐसा ही एक बयान कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी की तरफ से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन के खिलाफ दिया गया है। जिसे लेकर राज्य में सियासी बयानबाजी तेज हो गई हैं। आइए जानते पूरे मामले में अब तक क्या-क्या हुआ है।

इरफान अंसारी का विवादित बयान

पत्रकारों से बातचीत के दौरान जामताड़ा से कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने अपने प्रतिद्वंदी और भाजपा नेता सीता सोरेन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अपने बयान में कांग्रेस विधायक ने सीता सोरेन को रिजेक्टेड और उधार का खिलाड़ी कहा था।

सीता ने वीडियो पोस्ट कर माफी की मांग की

कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी के बयान के वीडियो को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भाजपा नेता सीता सोरेन ने कहा कि अपने अमर्यादित भाषा के लिए इरफान अंसारी को माफी मांगे। सीता सोरेन ने आगे लिखा- कांग्रेस नेता ने मेरे लिए जो अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी होगी। पहले भी उन्होंने मेरे बारे में व्यक्तिगत बातें बोली हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सारी सीमाएं लांघ दी हैं। इरफान जी माफी मांगिए, वरना उग्र विरोध के लिए तैयार रहिए।

सीता सोरेन ने क्या कहा?

वहीं अपने चुनावी अभियान और इरफान अंसारी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सीता सोरेन ने कहा, जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोग (झारखंड के मंत्री और कांग्रेस) इरफान अंसारी से तंग आ चुके हैं और उनसे छुटकारा पाना चाहते हैं। उन्होंने मेरा अपमान भी किया है और मेरे बारे में आपत्तिजनक बातें भी कही हैं।

भाजपा ने की राज्य चुनाव आयोग से शिकायत

झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी पर सीता सोरेन के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए भाजपा की राज्य इकाई की चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराए जाने पर भाजपा नेता प्रदीप सिन्हा ने कहा, पार्टी ने इरफान अंसारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया है। अब, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

प्रमुख समाचार

भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए जारी की प्रत्याशियों की दूसरी सूची

मुंबई। भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की है। इसमें कुल 22 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया है। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से राज्य के विधानसभा चुनाव के लिए सबसे पहले 99 प्रत्याशियों के नाम घोषित किया गया था। इस तरह से भाजपा ने राज्य में अब तक कुल 121 प्रत्याशियों के नामों का एलान कर दिया है। भाजपा की दूसरी सूची में 22 उम्मीदवारों में सिर्फ एक महिला उम्मीदवार का नाम शामिल हैं। भाजपा की दूसरी सूची में वाशिम और गढ़चिरौली के मौजूदा विधायकों को बदल दिया गया है। जबकि अकोट, नासिक सेंट्रल, पेन, खड़कवासला, पुणे कैंटोनमेंट और उल्हासनगर के विधायकों को बरकरार रखा। दूसरी सूची में विधान परिषद के दो सदस्य भी शामिल हैं, इसमें गोपीचंद पडलकर को जाट से और रमेश कराड को लातूर ग्रामीण से मैदान में उतारा गया, जहां उनका मुकाबला कांग्रेस के धीरज देशमुख से होगा। भाजपा ने धुले ग्रामीण विधानसभा सीट से राम भदाणे, मलकापुर से चैनसुख मदनलाल संचेती, अकोट से प्रकाश गुणवंतराव भारसाकले, अकोला पश्चिम विजय कमलकिशोर अग्रवाल, वाशिम श्याम रामचरणजी खोडे, मेलघाट से केवलराम तुलसीराम काले गढ़चिरौली से मिलींद रामजी नरोटे, राजुरा से देवराव विठोबा भोंगले, ब्रह्मपुरी से कृष्णलाल बाजीराव सहारे, वरोरा से करण संजय देवतले और नासिक मध्य सीट से देवयानी सुहास फरांदे को उम्मीदवार बनाया गया है।

भव्य पुष्पक विमान दिलाएगा त्रेतायुग की याद

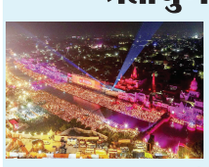

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की नगरी में तीन दिन (28 से 30 अक्टूबर) तक श्रद्धालुओं को त्रेता युग का अनुभव कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जोर-शोर से दीपोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। रामनगरी को चौतरफा सजाया जा रहा है। कहीं तोरणद्वार बन रहे हैं तो कहीं जबरदस्त लाइटिंग की जा रही है। इन सबके बीच एक और अनोखी पहल की जा रही है। वह है पुष्पक विमान की। दावा किया जा रहा है की इसे एक बार जिसने भी देखा वह देखता ही रह जाएगा। रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भगवान राम के आगमन की खुशी में इस बार दीपोत्सव और भी भव्य तरीके से मनाया जाएगा। इसी उद्देश्य से इस बार राम की पैड़ी समेत 55 घाटों पर 25 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। पहली बार उत्सव में 10 हजार स्थानीय लोगों को भी शामिल होने का मौका मिलेगा। पर्यटन विभाग ने अयोध्या को सजाने और संवारने के लिए एजेंसियों को चयनित किया है।

चुनाव मैदान में उतरेंगे नवाब मलिक 29 को दाखिल करेंगे नामांकन

मुंबई। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने एक बार फिर अजित पवार की परेशानी बढ़ा दी है। उन्होंने मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का एलान किया है। वह 29 अक्तूबर को नामांकन दाखिल करेंगे। बता दें कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध किया था। इसके बाद शनिवार को एनसीपी नेता ने बागी तेवरों के साथ विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने कहा कि 29 अक्तूबर को मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल करूंगा। जनता ने मुझसे यहां से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। मानखुर्द शिवाजी नगर में गुंडागर्दी और नशीली दवाओं के कारोबार से जनता बहुत परेशान है। जनता बदलाव चाहती है। मैं मानखुर्द शिवाजी नगर से चुनाव लड़ूंगा और जरूर जीतूंगा। मुझे परवाह नहीं है कि कौन मेरा विरोध कर रहा है। जनता मेरा समर्थन कर रही है और मैं चुनाव लड़ूंगा। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध किया था।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन आमदनी बढ़ने के बावजूद घाटे में

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने शुक्रवार को सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए। दो साल बाद आमदनी बढ़ने के बावजूद एयरलाइन एक बार फिर घाटे में है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितंबर तिमाही में उसे 986.7 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। कपनी के अनुसार विमानों के खड़े होने और ईंधन की ऊंची लागत से उसके मुनाफे पर असर पड़ा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इंडिगो का मुनाफा 2,728 करोड़ रुपये था। वहीं, एक साल पहले सितंबर 2023 में समाप्त तिमाही के दौरान एयरलाइन का मुनाफा 188.9 करोड़ रुपये था। इंडिगो के अनुसार दूसरी तिमाही में ईंधन पर खर्च 12.8 प्रतिशत बढ़कर 6,605.2 करोड़ रुपये हो गया, एक साल पहले इसी अवधि में यह खर्च 5,856 करोड़ रुपये था। दूसरी तिमाही में विमान और इंजन का किराया भी बढ़कर 763.6 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में महज 195.6 करोड़ रुपये था। इसके अलावे कंपनी ने सितंबर तिमाही में करीब 79.6 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाया, जबकि एक साल पहले कंपनी ने टैक्स मद में महज 20 लाख रुपये चुकाए थे।

शेख हसीना, 2 महीने पहले ही छोड़ दिया था हिंडन बेस

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा उनके ढाका स्थित आवास पर धावा बोलने के बाद भारत आई थीं। पिछले दो महीने से अधिक समय से वह भारत में ही हैं। बताया जा रहा है कि शेख हसीना नई दिल्ली के लुटियंस बंगला जोन में एक सुरक्षित घर में रह रही हैं, जिसकी व्यवस्था भारत सरकार ने उनके लिए की है। प्रधानमंत्री रहते हुए शेख हसीना, ढाका के मध्य में 3,600 वर्ग मीटर में फैले एक विशाल महल में रहीं, जिसके चारों ओर सुंदर उद्यान थे तथा जिसका निर्माण मूलत: महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के आवास के लिए किया गया था। सूत्रों के अनुसार, हसीना और उनके कुछ करीबी लोग 5 अगस्त की देर रात बांग्लादेश वायु सेना के विमान में सवार होकर हिंडन एयरबेस पहुंचे थे। हफ़्तों तक चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उन्होंने दो दिन के भीतर ही एयरबेस छोड़ दिया। उनके आगमन के दिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने एयरबेस पर उनसे मुलाकात की थी। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले खुफिया अधिकारियों ने बताया कि अब 77 वर्षीय नेता मध्य दिल्ली में इंडिया गेट और खान मार्केट के पास एक सुरक्षित बंगले में रह रही हैं।

भाजपा-कांग्रेस के लिए अब चुनौती क्षेत्रीय दल हैं

राहुल कुमार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कई चेहरे मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। यहां कौन-सा दल कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, इससे ज्यादा माथापच्ची इस बात पर चल रही है कि चुनाव नतीजे अगर अपने-अपने पक्ष में आते हैं तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा? यहां दो गठबंधन हैं, जिनमें तीन-तीन पार्टियां मुख्य घटक दल हैं। हर दल के पास मुख्यमंत्री पद के अपने-अपने दावेदार हैं। इस बार खबरों के खिलाड़ी में इसी मुद्दे पर चर्चा हुई। चर्चा के लिए वरिष्ठ पत्रकार रामकृपाल सिंह, विनोद अग्निहोत्री, अवधेश कुमार, राकेश शुक्ला और समीर चौगांवकर मौजूद थे।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की स्थिति

1990 में राजीव गांधी ने एक गलती की थी। नारायण दत्त तिवारी विपक्ष के नेता थे। मुलायम सिंह यादव अल्पमत में आ गए थे। तब उन्हें सदन के अंदर सपा का समर्थन करना पड़ा। अब उत्तर प्रदेश की नौ सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं और 34 साल बाद भी कांग्रेस उसी समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस का यही हाल है। कांग्रेस ने हमेशा वहां सौ से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा। इस बार शायद पहली बार सौ से कम सीटों पर लड़ेगी। कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के लिए बैसाखी बन गई है। राकांपा ने जयंत पाटिल का नाम आगे कर दिया है।

भाजपा ने ज्यादातर सफलताएं बिना चेहरे के हासिल की हैं। भाजपा ऐसी मूर्ति के साथ चुनाव लड़ती है, जिसका अनावरण नहीं हुआ है और जो पर्दे में ढंकी होती है। इससे उसके खेमे में गुटबाजी कम हो जाती है। भाजपा हमेशा संगठन से सत्ता में पहुंची है। उधर, कांग्रेस जितनी बार चुनाव हारती है या मुकाबले में नजर नहीं आती, उतनी बार उसका संगठन ध्वस्त हो जाता है। भाजपा इंजन है और सहयोगी दल उसके डिब्बे हैं। वहीं, कांग्रेस खुद डिब्बा है और वह सहयोगी दलों को अपना इंजन बना देती है।

क्षेत्रीय दल ज्यादा ताकतवर हैं

विधानसभा चुनाव जब होते हैं तो क्षेत्रीय दल अपनी ताकत दिखाते हैं। लोकसभा चुनाव में वे राष्ट्रीय दलों को मौका देते हैं, लेकिन राज्य के चुनाव में वे अपना दबदबा चाहते हैं। हालांकि, लोकसभा चुनाव के दौरान भी उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना ज्यादा सीटों पर लड़ी। कांग्रेस के सामने चुनौती जमीन बचाने की है। वह न गठबंधन को छोड़ सकती है, न अकेले चुनाव लड़ सकती है। कांग्रेस को कहीं न कहीं समझौता करना पड़ेगा। उधर, भाजपा का मनोबल अभी ऊंचा है। भाजपा के सामने चुनौती यह है कि उसे कम से कम 110 सीटें जीतनी होंगी। भाजपा के सामने सवाल यह है कि वह कब तक एकनाथ शिंदे और नीतीश कुमार जैसे नेताओं के भरोसे रहे। मुख्यमंत्री पद के सवाल पर ही भाजपा-शिवसेना के बीच गठबंधन टूटा था। कांग्रेस ने जिस तरह अपनी जमीन छोड़ी है, वैसा ही भाजपा के साथ भी है। अगर वह पीछे हटती गई तो क्षेत्रीय दल भाजपा की भी जगह ले लेंगे। उधर, कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सारे प्रयोग कर चुकी। वह उत्तर प्रदेश में कोई एक मजबूत नेता खड़ा नहीं कर पाई।

दोनों गठबंधनों में फर्क क्या है?

महाराष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो दोनों गठबंधनों में बुनियादी फर्क है। जब राकांपा और कांग्रेस साथ थे तो वहां सब ठीक था। शिवसेना-यूबीटी के साथ आ जाने से परेशानियां ज्यादा बढ़ गईं।

भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में संयम नजर आ रहा है, लेकिन विपक्षी गठबंधन में ऐसा नहीं है। सपा भी ताल ठोंक रही है। भाजपा 150 के आसपास सीटों पर वहां लड़ सकती है। उधर, कांग्रेस में भरोसा नहीं नजर आ रहा। उनका लक्ष्य ही भटका हुआ है। कांग्रेस के साथी दल यह समझ चुके हैं कि कांग्रेस के पास उनके अलावा कोई चारा नहीं है। पहले यह स्थिति थी कि नोट के बदले वोट के खेल को भाजपा भुना नहीं पाई। 2014 के बाद से भाजपा ने स्थिति पलट दी है। महाराष्ट्र में अधिकतम निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने रहेगी। बाकी सीटों पर शिवसेना-1 बनाम शिवसेना-2 और राकांपा-1 बनाम राकांपा-2 के बीच मुकाबला होगा।

भाजपा-शिवसेना के सामने चुनौती

राकेश शुक्ला- भाजपा के सामने सबसे बड़ी समस्या एकनाथ शिंदे हैं। भाजपा चाहती है कि शिंदे कम सीटों पर लड़े। मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर शिंदे अपना एकाधिकारी मानने लगे हैं। बिल्ली के भाग्य से छींका टूटा वाली स्थिति में शिंदे सीएम बने। लोकसभा चुनाव में जिस तरह का प्रदर्शन हुआ, उसके बाद विपक्षी गठबंधन में प्रतिस्पर्धा आ गई। एक नाम नाना पटोले का है, दूसरा नाम उद्धव ठाकरे का है। राकांपा सरपंची कर रही है। राकांपा की यह कोशिश है कि कांग्रेस-शिवसेना के बीच झगड़ा चलता रहे और फायदा उसे मिल जाए। अभी राकांपा से जयंत पाटिल का नाम आगे किया गया है, लेकिन सीएम बनने की स्थिति बनने पर सुप्रिया सुले को कमान सौंपी जा सकती है।

शिवसेना के सामने यही चुनौती है। उधर, अजीत पवार की पार्टी का लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। राकांपा का मूल वोट तो कांग्रेस की तरफ भी कम ही जाता है। शरद पवार जानते हैं कि उनका वोट नहीं बिखरेगा। वे निश्चिंत हैं कि उनकी पार्टी जितनी भी सीटों पर लड़ेगी, उसका प्रदर्शन अच्छा रह सकता है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के नाम पर राशि का बंदरबांट

■ **स्कूल शिक्षकों ने ही छात्राओं को दे दिया प्रशिक्षण**

मुंगेली। जिले के पथरिया विकासखंड में स्कूली बालिकाओं को दी जाने वाले रानी लक्ष्मीबाई आत्म प्रशिक्षण के नाम पर शासकीय राशि का बंदरबांट करने का मामला सामने आया है। शिक्षा विभाग के अफसरों पर आरोप लगाते हुए कर्राटे प्रशिक्षण कार्य से जुड़े प्रशिक्षक चैतराम साहू ने मामले की शिकायत कलेक्टर राहुल देव से की है। कलेक्टर के निर्देश पर मामले की जांच हुई तो कई चौंकाने वाले कारनामे सामने आए।

शिकायतकर्ता चैतराम साहू ने कलेक्टर से शिकायत करते हुए कहा था कि पथरिया विकासखण्ड के जिन स्कूलों में बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाना था, उन स्कूलों में प्रशिक्षण के नाम पर शासकीय राशि का जमकर बंदरबांट किया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया था कि प्रशिक्षण के नाम पर खानापूर्ति करते हुए स्कूल शिक्षकों द्वारा ही प्रशिक्षण दे दिया गया है, जबकि इसके लिए जुडो, कर्राटे, ताइक्कांडो, किक बॉक्सिंग, मार्शल आर्ट जैसे अन्य विधाओं में पारंगत खिलाड़ी या प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाना था।

कलेक्टर के निर्देश पर मामले की जांच हुई तो पता चला कि पथरिया विकासखण्ड के कई स्कूलों में बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिए जाने के नाम पर भुगतान किया गया है। कायदे से जारी गाइडलाइन के मुताबिक प्रति स्कूल 15 हजार रुपये की राशि का भुगतान प्रशिक्षकों को पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से प्रधानपाठक या प्राचार्य द्वारा किया जाना था, लेकिन नियम विपरीत स्कूल के प्राचार्य और प्रधानपाठकों ने सीधे प्रशिक्षक को नगद भुगतान कर दिया।

इधर शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी और उदासीन रवैय्ये के चलते इसको लेकर मॉनिटरिंग भी नहीं किए जाने की ख़बर है। यही वजह है कि कई स्कूलों में आज तक प्रशिक्षण भी नहीं हुआ है और जहां हुआ भी है उनमें से कई स्कूलों में गाइडलाइन से परे प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण देकर नियम विरुद्ध तरीके से राशि आहरण किया गया है। और तो और कई स्कूलों में तो प्रशिक्षण हुआ भी हैं तो प्रशिक्षकों को स्वीकृत राशि से कम भुगतान किया गया है।

शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि नियम विरुद्ध स्कूल शिक्षकों ने शाला अवकाश के बाद प्रशिक्षण लेने की बात कहते हुए जिस तरह से स्कूलों में प्रशिक्षण दिया है और फिर नियम विरुद्ध तरीके से प्रधान पाठक एवं प्राचार्यों ने भुगतान किया है। यह मनमर्जी जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और मॉनिटरिंग नहीं करने की वजह से निर्मित हुई है।

प्रशिक्षकों के चयन को लेकर आत्मरक्षा प्रशिक्षण की जिम्मा संभाल रहे शिक्षा विभाग के अफसर को जिला स्तर पर चयन टीम बनाना था, जिस पर कलेक्टर के अनुमोदन के पश्चात ही प्रशिक्षकों का चयन होता और फिर उन्हें स्कूलों का प्रशिक्षण के लिए आबंटित किया जाता, लेकिन नियम कायदों को दरकिनार कर बालिकाओं को आत्म निर्भर बनाने जैसे महत्वपूर्ण प्रशिक्षण का कार्य शिक्षा विभाग के अफसरों की लापरवाही के चलते मजाक बनता नजर आ रहा है, क्योंकि जिम्मेदारों ने प्रशिक्षण को लेकर न मॉनिटरिंग किया और न ही मॉनिटरिंग दल का गठन किया।

दोषियों पर होगी कार्रवाई -कलेक्टर

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के नाम पर शासकीय राशि का बंदरबांट और मनमानी का खुलासा होते ही शिक्षा विभाग में हड़कम्प मचा हुआ है। डीईओ सीके धृतलहरे का कहना है कि जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है। क्क्तरू पोर्टल के माध्यम से भुगतान करने की बजाय नगद भुगतान किया गया है। इसके अलावा कुछ शिक्षकों द्वारा भी प्रशिक्षण देने की बात सामने आई है तो संबंधितों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जा रहा है। इस मामले में कलेक्टर राहुल देव का कहना है कि इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसको लेकर जांच कराई गई। जांच में कुछ खामियां पाई गई है, जिसे दुरुस्त करने कहा गया है। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

एसईसीएल खदान के कर्मचारियों ने सीएमडी कार्यालय का किया घेराव

कोरबा। दिवाली का बोनस नहीं मिलने से एसईसीएल के ठेका श्रमिक काफी आक्रोशित हो गए है। यही वजह है,कि शनिवार को सैकड़ों की संख्या में ठेका श्रमिक बिलासपुर पहुंचे और एसईसीएल के मुख्यालय का घेराव कर दिए। ठेका श्रमिक हर हाल में दिवाली का बोनस चाहते हैं।

दिवाली पर बोनस नहीं मिलने से एसईसीएल की खदानों में काम करने वाले ठेका कर्मियों में असंतोष का माहौल निर्मित हो गया है। बोनस की मांग को लेकर ठेका कर्मियों ने कई खदानों में प्रदर्शन कर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था,लेकिन बात नहीं बनी। यही वजह है,कि शनिवार की सुबह गेवरा, दीपका, कुसमुंडा, मानिकपुर के साथ ही अन्य खदान में काम करने वाले ठेका श्रमिक बिलासपुर स्थित एसईसीएल मुख्यालय का घेराव करने निकल पड़े। चार चक्का वाहनों में सैकड़ों की संख्या में मजदूर बिलासपुर के लिए रनावा हुआ हुए हैं,जहां उनके द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया जा रहा है। हाथों में तख्ती लेकर ठेका श्रमिक प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे है। ठेका श्रमिक हर हाल में दिवाली का बोनस चाहते है। कोरबा जिले के मानिकपुर,कुसमुंडा गेवरा के एसईसीएल खदान मैं निजी कम्पनी में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि कुछ दिनों पहले मानिकपुर स्थित एसईसीएल जीएम ऑफिस में वार्ता हुई थी जहां वार्ता विफल होने के बाद उन्होंने बिलासपुर सीएमडी कार्यालय का आज घर आओ किया है। गेवरा,दीपका, और कुसमुंडा एसईसीएल खदान में नारायणी, कलिंगा के अलावा कहीं निजी कंपनियां है जिनका काम चलता है उनके द्वारा निजी कंपनी में मजदूर काम करते हैं लेकिन उन्हें मिलने वाले लाभ नहीं मिल पा रहे हैं।

सुबह सभी एकत्रित होकर बस और चार पहिया वाहन में बिलासपुर के रवाना हुए और ह्यद्गष्य सीएमडी ऑफिस के बाहर प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगे रखें कर्मचारियों का कहना है कि पिछले कई सालों से दशहरा और दीपावली बोनस की मांग कर रहे हैं लेकिन उसके बावजूद भी प्रबंधन इस ओर ध्यान नहीं दे रही। जिसके चलते आज आक्रामक कदम उठाना पड़ा। वही सीएमडी कार्यालय के घेराव की सूचना मिलते हैं पुलिस भी मौके पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था ली।

नारी शक्ति को सलाम : 11 महीने से नहीं किया गया भुगतान

बैंक से कर्ज लेकर बच्चों को करा रहे मध्यान्ह भोजन

■ **शिकायत के बाद भी अधिकारी नहीं ले रहे सुध**

कांकेर। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड अंतर्गत बांदे के पूर्व माध्यमिक शाला में अध्ययनरत बच्चों को बैंक से कर्ज लेकर मध्यान भोजन खिलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के चलते मध्यान्ह भोजन बनाने वाले समिति को पिछले 11 महीने से पैसा नहीं मिल रहा है। ऐसे में बच्चों को भूखे पेट पढ़ाई ना करना पड़े, इसके लिए समिति ने बैंक से लोन लिया है और बच्चों को मिड-डे मील खिला रही है।

समिति के लोगों ने बताया कि बीते वर्ष और इस वर्ष अब तक कुल 11 महीने का पैसा समिति को नहीं दिया जा रहा है। कई बार अधिकारी के चक्कर भी लगा चुके पर अधिकारी समिति की इस परेशानी की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। समिति ने बेबस होकर बैंक का दरबाजा खटखटाया और वहीं से 3 लाख का कर्ज लिया और निरंतर बच्चों को मध्यान्ह भोजन खिला रहे हैं पर अधिकारी सुध नहीं ले रहे हैं।

बता दें कि ग्राम पंचायत बांदे के माध्यमिक शाला में कुल 104 बच्चे पढ़ते हैं, जिनके लिए प्रतिदिन भोजन तैयार किया जाता है। राज्य सरकार की ओर से बच्चों के भोजन के लिए करोड़ों रुपये का बजट तय होता है ताकि वे खाली पेट पढ़ाई न करें, लेकिन इस स्कूल में संचालित मध्यन्ह भोजन को संचालन करने वाले सरस्वती महिला स्व सहायता समूह को पिछले 11 महीने से सरकार से मिलने वाले राशि नहीं मिल रही है। जिसके चलते समिति के महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समिति के लोग लगातार अधिकारी के चक्कर लगाते रहे लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। 11 महीने से पैसे नहीं मिलने के कारण का जब लल्लूराम डॉट कॉम की टीम ने पता लगाया तो पता चला की जो समिति संचालित कर रहे हैं उनके खाता नंबर बदल दिया गया और उनके मेहनत और बच्चों के हक दूसरे खाते में जमा हो रहा है। इस मामले में अब बीईओ देव कुमार शील जल्द समिति को पैसा भुगतान की बात कर रहे है।

पंचायत सचिव ने सबूत के तौर पर सौंपा फुटेज

■ **आबकारी अफसर पर आरोप, झूठे केस की धमकी देकर 50 हजार वसूले**

कोरबा। कोरबा में आबकारी विभाग के एक अधिकारी पर केंदई क्षेत्र के पंचायत सचिव ने एक निजी व्यक्ति के साथ उसके भाई के ढाबा में पहुंचकर झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 50 हजार रुपए वसूलने का आरोप लगाया है।

एक्ट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्रवाई छापेमारी करने पहुंचे अधिकारी, मौके पर ढाबा संचालक की मांग की है। मोरगा चौकी क्षेत्र के केंदई निवासी बेन्कट रमन प्रताप सिंह पंचायत सचिव है। उनके मुताबिक उनका भाई मोरगा में ढाबा का संचालन करता है, जहां बुधवार शाम 5 बजे धीरज शिंदे नामक निजी व्यक्ति आबकारी विभाग की टीम को लेकर पहुंचा था। कुछ अन्य निजी व्यक्ति भी उनके साथ थे, जो आबकारी कर्मचारी की तरह छापेमारी कर खोजबीन कर रहे थे। कुछ नहीं मिलने पर उसके भाई को धीरज कोने में ले गया और उससे मारपीट करते हुए आबकारी अधिकारी के साथ डराते हुए अपने साथ रखे शराब को ढाबा से जब्ती होना स्वीकार करने के लिए बोलने लगे। भाई के हृदय रोगी होने व कुछ दिन पहले ऑपरेशन होने की वजह से वह डर गया और उनके मुताबिक शराब मेरी है, कहकर स्वीकार कर लिया। इसके बाद वे उसे लेकर बस्ती के अंदर उसके घर पहुंचे, जहां तलाशी ली। यहां से वापस ढाबा लौटकर मध्यप्रदेश का शराब बेचने के मामले में फंसाने पर जमानत नहीं मिलेगी कहते हुए डराया धमकाया और 50 हजार रुपए की मांग की। रकम इंतजाम करने पर आबकारी अधिकारी ने धीरज को देने को कहा, तब उसे रकम दे दिया गया। बेन्कट रमन ने मामले में धीरज शिंदे व आबकारी

बेन्कट रमन के मुताबिक धीरज शिंदे के पिता पूर्व में मोरगा चौकी में पदस्थ थे। उनके द्वारा आमजन को परेशान करने की वजह से पंचायत प्रतिनिधि होने पर वह विरोध करते थे, इसलिए उनके बीच कई बार तनातनी हो चुकी है। इसी वजह से धीरज दुश्मनी रखते हुए आबकारी अधिकारी के साथ मिलीभगत कर प्लान तैयार करके उसके भाई के ढाबा में पहुंचा और परेशान करते हुए रकम की वसूली की ढाबा में लगे सीसी कैमरे के फुटेज में उनकी पूरी गतिविधि दिख रही है। इसमें धीरज उसके ढाबा में गल्ले में तलाशी लेते नजर आ रहा है। निजी व्यक्ति द्वारा इस तरह से तलाशी लेना गलत है।

10 किलोमीटर पैदल मार्च कर अवैध रेत परिवहन पर शिकंजा

खनिज विभाग ने की 15 गाड़ियां जब्त

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। कोरिया और एमसीबी जिले में खनिज विभाग ने अवैध रेत परिवहन के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। जिला खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा और खनिज इंस्पेक्टर आदित्य मानकर के नेतृत्व में गठित टीम ने चैनपुर के चीउटीमार क्षेत्र में 10 किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए अवैध रेत परिवहन पर शिकंजा कसा। इस कार्रवाई में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम भी शामिल रही।

जब्त की गई सभी गाड़ियों को थानों में रखा गया है। इन पर छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 और खान एवं खनिज अधिनियम 1957 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दयानंद तिग्गा ने बताया कि अवैध खनन, परिवहन, और भंडारण के खिलाफ सख्त अभियान लगातार जारी रहेगा। इस कार्रवाई का उद्देश्य जिले की खनिज संपदा का संरक्षण करना और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। वाहन मालिकों पर नियमानुसार आर्थिक दंड वसूला जाएगा।

जिला खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा ने कहा हम जिले में अवैध खनन को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कार्रवाई केवल शुरुआत है, और भविष्य में भी इसी तरह की सख्ती जारी रहेगी ताकि खनिज संपदा का उचित संरक्षण किया जा सके।

जिला कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने पटना और बैकुण्ठपुर में भी कार्रवाई तेज की। टीम ने चार और गाड़ियों को अवैध खनिज परिवहन करते हुए पकड़ा। इनमें से गाड़ी नंबर सीजी 15ए 8881, सीजी 15 एसी 2042, सीजी 04 जेडी 8830 में गिट्टी का और गाड़ी नंबर सीजी 16 सीएच 4388 में रेत का अवैध परिवहन हो रहा था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

डॉग स्काड टीम ने वन्य प्राणी सुरक्षा हेतु किया जागरूक

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत वनक्षेत्रों में वनों एवं वन्य प्राणी की सुरक्षा एवं शिकार गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ ही ग्रामीणों में वन्य प्राणियों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वनमंडल एवं डॉग स्काड टीम के द्वारा संयुक्त गश्ती की जा रही है। इस अभियान के तहत जंगल सफारी रायपुर के डॉग स्काड टीम द्वारा पैदल मार्च कर सोनाखान, देवपुर, बारनवापारा अभ्यारण्य एवं वन विकास निगम के क्षेत्र से लगे गांवों में गश्ती कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। पैदल मार्च के दौरान डॉग स्काड संयुक्त टीम द्वारा ग्रामीणों को वन्य प्राणी की सुरक्षा करने, अवैध शिकार एवं अवैध कटाई न करने संबंधी समझाइश दी जा रही है। साथ ही वनक्षेत्रों के सभी बेरियरों में त्यौहार के सीजन को ध्यान में रखते हुए आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच की जा रही है। गांवों में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा डॉग स्काड टीम के साथ मिलकर यह अभियान चलाया जा रहा है। वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा हेतु विभाग निरंतर प्रयासरत है।

बिजली की चपेट में आने से तीन हाथियों की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में करंट की चपेट में आने से एक साथ तीन हाथियों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ वन मंडल के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के जंगल में इन दिनों 78 हाथी दो दलों में विचरण कर रहा है। बीती रात चुह्कीमार जंगल में बिछे 11केवी लाइन के तार टूट जाने से उसकी चपेट में आने से तीन हाथियों की मौत हो गई, जिसमें एक शावक भी शामिल होने की बात कही जा रही है। एक साथ जंगल में तीन हाथियों की मौत हो जाने से वन विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। साथ ही साथ इस घटना की जानकारी मिलते ही रायगढ़ वन मंडल की डीएफओ स्टाइलो मंडावी भी मौके के लिए रवाना हुए।

कवर्धा के बैगा परिवारों को दिवाली गिफ्ट

कवर्धा। कबीरधाम कलेक्टर शुक्रवार को पंडरिया विकासखंड के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी बाहुल गांव पहुंचे। ग्राम कांदावानी के पाराटोला आश्रित गांव पटपर पहुंच कर कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जन चौपाल लगाई। खास बात ये रही कि गांव वालों के साथ कलेक्टर भी जमीन पर बैठे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। पाराटोला के बैगा जनजाति सहित सभी किसानों, महिलाओं के साथ जमीन में बैठकर सीधा संवाद में कलेक्टर को गांव वालों ने कई समस्याएं बताई। कलेक्टर ने गांव वालों से वहां मिल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली की सुविधा न होने से उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिसके बाद कलेक्टर ने उन्हें दिवाली से पहले ही गांव में बिजली पहुंचाने का आश्वासन दिया। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि पूरे जिले में अति विशेष पिछड़ी जनजाति की संख्या लगभग 50 हजार है। बैगा बाहुल्य इलाकों में शासन की योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं मिल रहा है इसका निरीक्षण किया गया।

मधौरा जलाशय में नहाने उतरा युवक बहा

कोरिया। सोनहत थाना क्षेत्र के ग्राम मधौरा में एक दर्दनाक हादसा हो गया। बढ़वार गांव का एक युवक मधौरा जलाशय में नहाने के दौरान डूब गया। युवक का नाम टेरी लाल है। टेरी लाल शुक्रवार को अपनी पत्नी और दोस्त के साथ मधौरा जलाशय घूमने गया था। इसी दौरान वह जलाशय में नहाने उतरा। नहाने के दौरान अचानक युवक का संतुलन बिगड़ गया और वो जलाशय में डूबने लगा। इस दौरान पत्नी मदद के लिए चिल्लाती रही लेकिन तब तक युवक पूरी तरह जलाशय में डूब गया। युवक के जलाशय में डूबने की जानकारी मिलते ही पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। शुक्रवार देर शाम तक एनडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लेकिन रात में अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू रोक दिया गया। शनिवार सुबह फिर से डूबे युवक को ढूंढने का काम एनडीआरएफ ने शुरू किया। जलाशय में चार घंटे ढूंढने के बाद एनडीआरएफ की टीम ने युवक का शव जलाशय से निकाला। युवक राजमिस्त्री का काम करता था।

प्रबंधक और अधीक्षक पद के लिए 8 तक दावा आपत्ति

कोरबा। ओल्ड एज होम के संचालन के लिए कोरबा में कई पदों के लिए भर्तियां पूर्व में निकाली गई। अब उन भर्तियों के लिए 8 नवंबर तक विभाग ने दावा आपत्ति बुलाई गई है। कोरबा डीएमएफ शाखा में सहायक ग्रेड तीन के लिए संविदा पद केलिए भर्तियां निकाली गई। उन भर्तियों के लिए आदेवन करने वाले अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। सूची जारी होने के साथ उस संबंध में दावा आपत्ति भी अगर किसी को है तो मांगी गई है। कोरबा में ओल्ड एज होम के संचालन के लिए प्रबंधक, अधीक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और काउंसलर की भर्ती होनी है। इन सभी पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन करने वालों से अब विभाग ने दावा आपत्ति मंगाई है। आवेदकों के परीक्षण के बाद पात्र और अपात्र लोगों की सूची जारी की गई है। सूची जारी होने के साथ अभ्यर्थियों से दावा आपत्ति के संबंध में आवेदन करने को कहा गया है। आवेदकों से कहा गया है कि वो ज्यादा जानकारी के लिए www.korba.gov.in पर जाकर पूरी जानकारी ले सकते हैं।

होटल, रेस्टोरेंट में दबिश देकर खाद्य विभाग ने लिए नमूने

कांकेर। कांकेर में आगामी त्यौहारी सीजन को दृष्टिगत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में संचालित विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंटों में दबिश देकर छापामार कार्रवाई की जा रही है। जिले में संचालित होटल, रेस्टारेंट में दीपावली त्यौहार के उपलक्ष्य में निम्न गुणवत्ता वाली अमानक मिठाई, खाद्यान्न सामग्री विक्रय एवं घरेलू गैस सिलेण्डर का दुरुपयोग किये जाने के संबंध में संयुक्त टीम द्वारा दबिश देकर कार्रवाई किया गया है। अमानक स्तर की खाद्यान्न सामग्री पाए जाने पर नमूने लेकर लैब भेजने की भी कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन अधिकारी सिंह ने बताया कि जिले के चारामा नगर पंचायत में मेसर्स यादव दूध डेयरी से दूध, राजा भोजनालय एवं रेस्टोरेंट से खोवा, सुरेश होटल से पनीर एवं कुन्दा, दुर्गेश रेस्टोरेंट से दही, जोधपुर मिष्ठान भंडार से खोवा एवं पेड़ा की जांच कर मिष्ठान्नों का नमूना प्राप्त कर गुणवत्ता परीक्षण हेतु रायपुर स्थित लैब भेजा गया है. फूड एंड ड्रग्स विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार भानुप्रतापपुर में दुर्गा होटल से स्ट्राबेरी स्वीट्स, जैन मिष्ठान से खजूर रोल, गोपाल स्वीट्स से कलाकंद गुलशन होटल से मिल्क बर्फी के नमूने जांच के लिए लिया गया है।

माजीसा किराना स्टोर भानुप्रतापपुर से निलांस सेवाइया लाल गुलाब सरसों तेल, मैगी मसाला, अचार एवं अन्य सामग्री 5576 रुपये, जायसवाल प्रोविहजन स्टोर्स भानुप्रतापपुर के अभिषेक जायसवाल से एवरेस्ट धनिया मसाला, निलांस चिकन मसाला गुजराती पापड़, विकेजी चनाचूर, लाल गुलाब सरसों तेल कीमत 3660 रुपये, जैन एजेंसी भानुप्रतापपुर हल्दीराम रोस्टेड चना 1320 रुपये, राजस्थान किराना स्टोर भानुप्रतापपुर पारले हाइड एंड सीक अनमोल टम्मी, नेचुरल टोस्ट, वाघ बकरी चाय 2690 रुपये, अरिहंत सुपर मार्केट भानुप्रतापपुर सुंदर तिल्ली टोस्ट चिंगस हाट गारलिक 480 रुपये, आशीर्वाद प्रोविहजन स्टोर्स 12776 रुपये कुल 30000 रुपये की एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त की गई.

कांकेर नगर के जय हिंद होटल से मलाई बर्फी, जैन मिष्ठान से पनीर, केसर पेड़ा, नेकी हसन से मथुरा पेड़ा, जय हिन्द रेस्टारेंट पनीर, राजस्थान स्वीटस से बादाम बर्फी का सैंपल जांच हेतु लिया गया है. एवं होटल रुबरु जायका से 5 किग्रा पुराना मटन, दाल पका 5 क्रिग्रा काबुली चना उबला 2 कि.ग्रा. रसगुल्ला 1 कि.ग्रा. मछली 3 कि.ग्रा. खराब पाए गए जिन्हें मौके पर नष्ट किया गया एवं वेज एवं नानवेज व्यंजन अलग-अलग नहीं रखने हेतु होटल संचालक को नोटिस दिया गया।

गाया ब्रांड की फैक्ट्री पर खाद्य विभाग का छापा, पनीर और पेड़ा के सैंपल जब्त

महासमुंद। दीपावली के अवसर पर दूध और दूध उत्पादों में मिलावट की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। गाया ब्रांड नाम से दूध और उसके उत्पाद बेचने वाली वामा डेयरी की तुमगांव स्थित फैक्ट्री में राज्य स्तरीय उड़नदस्ता टीम ने छापा मारा और जांच की।

छापेमारी के दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन की राज्य स्तरीय टीम और महासमुंद जिला अधिकारियों की कुल 6 सदस्यीय टीम ने फैक्ट्री में पनीर और पेड़ा मिठाई के सैंपल लिए। जांच के लिए ये सैंपल अब प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य विभाग का यह कदम त्योहारी सीजन में मिलावट की रोकथाम के लिए उठाया गया है, क्योंकि दीपावली पर मिठाई और दूध उत्पादों की खपत में तेजी से वृद्धि होती है और मिलावट की शिकायतें सामने आ रही हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त नीतेश मिश्रा ने कहा कि छोटे विक्रेताओं की मांग थी कि मिलावट के मामलों को रोकने के लिए सीधे फैक्ट्रियों के उत्पादन स्थलों से सैंपल लेकर जांच की जाए। इसी क्रम में वामा डेयरी जैसे बड़े उद्योगों पर छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय उड़नदस्ता टीम की इस कार्रवाई का उद्देश्य त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मुख्यमंत्री निवास में रोपा बेल का पौधा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के

आमंत्रण पर उनके नवा रायपुर स्थित निवास पहुंची राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने निवास परिसर में बेल का पौधा रोपा। उनके साथ राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आंवला का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के स्वागत में जशपुर जिले से आए करमा नर्तक दल ने मनमोहक शैली में नृत्य प्रस्तुत किया। इन मंजे हुए कलाकारों की मांदर की थाप पर लयबद्ध प्रस्तुति देखकर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने करमा नर्तक दलों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साथ फोटो खिंचवाई।

राजधानी में सेंट्रल आईबी अफसर के घर चोरों ने बोला धावा, लाखों के जेवरात पार

रायपुर। राजधानी रायपुर के वॉलफोर्ट कॉलोनी में एक हाई प्रोफाइल चोरी का मामला सामने आया है। सेंट्रल इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी के घर पर चोरों ने धावा बोल दिया और लाखों के सोना-चांदी के जेवरात उड़ा ले गए। चोरी की घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच में जुट गई है। यह मामला मुजगहन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, आईबी अधिकारी अपने परिवार के साथ दिल्ली गए थे, इसी दौरान चोर सुने मकान में घुसे, अलमारी का लॉकर तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और 50 हजार रुपये की नगदी चुरा ली। बताया जा रहा है चोरों ने कुल साढ़े 4 लाख रुपये की चोरी की है। घटना की जानकारी मिलते ही मुजगहन थाना क्षेत्र की पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक और क्राइम टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी।

पीएमटी छात्रावास के छात्रों के साथ संचालक ने की मारपीट

कांकेर। कांकेर नगर में स्थित पीएमटी बालक छात्रवास के छात्रों ने आयुक्त में पदस्थ सहायक संचालक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। छात्रों ने शनिवार को कांकेर एसपी से शिकायत करते हुए कार्यवाही की बात कही है। छात्रों ने आरोप लगाया कि सहायक आयुक्त की सहायक संचालक जया मनु बार बार आफिस में शिकायत करते हो बोलकर छात्रों से मारपीट की यही नही छत्रवास से बाहर निकालने की धमकी भी दी। आज सैकड़ो की संख्या में पहुँचे छात्रों ने बताया कि सहायक संचालक के व्यवहार से सभी छात्र डरे हुए है। इसीलिए एक सप्ताह बाद सभी शिकायत करने की हिम्मत कर रहे है। छात्र विजय कुमार मरकाम ने बताया कि 17 अक्टूबर को अचानक सहायक संचालक छात्रवास पहुंची जहां सभी सीनियर छात्रों को बाहर निकला और घुस्से में कहने लगी कि ऑफिस में बहुत शिकायत करते हो बोलकर छात्रों को धप्पड़ मारने लगी। इस व्यवहार से सभी छात्र डरे हुए है। आज कांकेर एसपी कार्यालय में हमने शिकायत किया है। सहायक संचालक के ऊपर मामला दर्ज होना चाहिए।

फोर्टीफाइड चावल के लिए बुलाए गए टेंडर निरस्त करने केन्द्र का निर्देश

रायपुर। फोर्टीफाइड चावल की महत्वाकांक्षी योजना हेतु लगने वाले एफआरके चावल के लिए छत्तीसगढ़ में नाफेड द्वारा पिछले दिनों टेंडर बुलाया गया था। इसमें कुछ ऐसे नियम लगाए गए थे जिससे कुछ विशेष एफआरके निर्माताओं को ही लाभ हो रहा था। प्रदेश राईस मिल एसोसिएशन की ओर से इसमें हुई अनियमितता की शिकायत भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों में की गई थी। जिस पर भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय की ओर से संज्ञान लेते हुए अस्टिेंट डायरेक्टर(एस एंड आर)डा.प्रीति शुक्ला ने छत्तीसगढ़ शसन के सचिव ,फूड सिविल सप्लाइज एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्टमेंट को पत्र लिखा है कि नाफेड द्वारा निकाले गए टेंडर को निरस्त करने कार्यवाही की जाए व नाफ़ेड की उक्त प्रक्रिया की जाँच कर केन्द्रीय मंत्रालय को अवगत कराने कहा है। केंद्र सरकार को एसोसिएशन के पत्र पर त्वरित कार्यवाही के लिए योगेश अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बैज ने भी माना कुछ नक्सलियों के हुए हैं टारगेटेड एनकाउंटर

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश मीडिया प्रभारी

अमित चिमनानी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि विष्णुदेव साय के सुशासन पर कांग्रेस की भी मुहर , अंबिकापुर में दिए बयान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी माना की कुछ नक्सलियों के टारगेटेड एनकाउंटर हुए है। सच्चाई स्वीकार करने के लिए धन्यवाद दीपक जी।भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार नक्सलवाद के खात्मे के लिए संकल्पित है।

जनजातीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के बिना देश का विकास संभव नहीं : मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन भिलाई आईआईटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं

भिलाई। आईआईटी भिलाई के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मेरे लिए यहां आना सौभाग्य की बात है। आप लोगों मुझे अपने विचार रखने का यहां मौका दिया ये मेरे लिए गर्व की बात है। भिलाई आईआईटी संस्थान पढ़ाई और तकनीक के क्षेत्र में अपनी महारत के लिए जाना जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह का दिन एक छात्र के लिए उपलब्धियों से भरा दिन होता है। आज से आप एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर दुनिया में प्रवेश करने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी समुदाय की भागीदारी के बिना देश के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जनजातीय समाज के लोगों को आज साथ लेकर चलने की जरुरत है। स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में भिलाई आईआईटी और एम्स मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों संस्थानों ने मिलकर आम लोगों की मदद के लिए एप तैयार किया है। जनजातीय समुदायों के विकास के लिए भिलाई आईआईटी काम कर रहा है। जनजातीय समुदाय के विकास को लेकर जो काम छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है उसे देखकर

काफी खुशी हो रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि शिक्षा व्यवहारिक होने के साथ साथ समावेशी भी होना चाहिए। ये अच्छी बात है कि भिलाई इसी दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा इंसान पूरी जिंदगी एक छात्र होता है। इसलिए उसे अपने जीवन में हमेशा सीखने की गुंजाइश रखनी चाहिए। आधुनिक भारत में भिलाई स्टील प्लांट का बड़ा योगदान रहा है। भिलाई से पढ़कर निकले बच्चे अब देश के भविष्य के लिए काम करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भिलाई आईआईटी ने अपनी पहचान ग्लोबल लेवल पर बनाई है। भिलाई आईआईटी नए रोजगार का सृजन भी कर रहा है। देश और दुनिया की प्रगति में भी काम कर रहा है। डिजिटलाइजेशन के क्षेत्र में भी भिलाई आईआईटी लगातार काम कर रहा है। ग्लोबल लेवर पर भारत की पहचान लगातार मजबूत हो रही है। भारत में डिजिटल क्रांति आ चुकी है। बदलती दुनिया और बढ़ती तकनीक के दम पर हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। यहां से पढ़ाई पूरी कर निकले बच्चे अब देश और दुनिया में अपना रोशन करेंगे। भारत का नाम ऊंचा करेंगे।

राज्यपाल रमेन डेका ने दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शिक्षा और शोध के क्षेत्र में बेहतरीन काम कर रहा है। रिसर्च के क्षेत्र में यहां के छात्र पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यहां से पढ़कर निकले छात्र और छात्राएं दोनों छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा भारत की महिलाएं अब किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। महिलाएं उच्च पदों पर आसीन होकर देश के लिए बड़े बड़े काम कर रही हैं। हमारा सौभाग्य है कि देश के सर्वोच्च पद पर भी एक महिला आसीन हैं। देश के ये बड़े फैसले ये बताते हैं कि हम अब किसी से पीछे नहीं हैं। दीक्षांत समारोह के मंच से सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि आज जिसके बाद तकनीक की ताकत होगी वो दुनिया में आपना नाम करेगा। दुनिया में उसके काम से उसकी पहचान बनेगी। हमारे जीवन में आज तकनीक की जरुरत लगातार बढ़ती जा रही है। भिलाई आईआईटी तकनीक के आविष्कार और इजाद में लगातार काम कर रहा है। यहां के छात्रों को गर्व होना चाहिए कि वो भिलाई आईआईटी से पढ़े हैं। विष्णु देव साय ने कहा भिलाई आईआईटी में आधुनिक भारत का भविष्य तैयार होता है। भिलाई आईआईटी को राज्य सरकार लगातार आगे भी मदद देती रहेगी। यहां से पढ़कर निकले बच्चे देश और दुनिया के हर कोने में जाकर अपना और देश का नाम रोशन को तैयार हैं। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का पहला आईआईटी पार्क भिलाई में बनेगा। सीएम ने कहा कि भिलाई आईआईटी और राज्य सरकार ने मिलकर विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित करने का काम किया है। ये समीक्षा केंद्र छात्रों की पढ़ाई को रोचक और रोजगार परक बनाने का काम करेगी। बस्तर में कुपोषण के शिकार बच्चों को बेहतर न्यूट्रिशन देने के लिए भी ये समीक्षा केंद्र काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भिलाई आईआईटी विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए लगातार काम कर रही है।

साव ने 20.13 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

■ **प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सौंपा पूर्णता प्रमाण पत्र, हितग्राहियों को चेक भी बांटे**

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर जिले के खरोरा में 20 करोड़ 13 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 30 लाख 53 हजार रुपए लागत के दो निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 19 करोड़ 83 लाख रुपए के 11 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। श्री साव ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र सौंपे। उन्होंने महिला स्वसहायता समूहों और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों को कुल सात लाख रुपए के बैंक ऋण का चेक भी प्रदान किया। धरसीवा के विधायक श्री अनुज शर्मा और खरोरा नगर पंचायत के अध्यक्ष श्री अनिल सोनी भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने खरोरा के दीनदयाल उपाध्याय चौक में आयोजित कार्यक्रम में 25 लाख 53 हजार रुपए की लागत से निर्मित पौनी-पसारी हाट-बाजार और पांच लाख रुपए की

लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने नायकताड़ से खरोरा शहर तक 19 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत से बनने वाले साढ़े तीन किलोमीटर गौरव पथ का भूमिपूजन भी किया। यह सड़क खंड राज्य मार्ग क्रमांक-20 का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो सिमगा, तिल्दा, खरोरा, आरंग, नयापारा और कुरूद को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ता है। इसके निर्माण से राष्ट्रीय राजमार्ग-130 से सिमगा-तिल्दा-खरोरा होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-130बी से जुड़ेगी जिससे बिलासपुर, सिमगा, तिल्दा की तरफ से आने वाले लोगों तथा व्यवसायिक उपयोग के लिए सुगम एवं सुव्यवस्थित मार्ग उपलब्ध होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खरोरा नगर पंचायत में 36 लाख रुपए से अधिक की लागत के 11 कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें शहर के विभिन्न वार्डों में नाली निर्माण और पाइपलाइन विस्तार के कार्य शामिल हैं। श्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों और लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरों के विकास के लिए राज्य शासन के पास राशि की कमी नहीं है। सभी नगरीय निकायों में विकास कार्यों और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए पर्याप्त राशि दी जा रही है। पिछले दस महीनों में राज्य के नगरीय निकायों को करीब 2800 करोड़ रुपए दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गांव, गरीब और किसानों के साथ ही प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री के.के. पीपरी, मुख्य अभियंता श्री ज्ञानेश्वर कश्यप और खरोरा नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री होरी सिंह ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी, पार्षद और गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री मनियारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का आज करेंगे शिलान्यास

लोरमी में विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव 27 अक्टूबर को मनियारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का शिलान्यास करने के साथ ही लोरमी में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वे 27 अक्टूबर को सवेरे साढ़े नौ बजे रायपुर से सड़क मार्ग से मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के कारीडोंगरी के लिए रवाना होंगे। वे दोपहर 12 बजे कारीडोंगरी में मनियारी नदी पर उच्च स्तरीय पुल का भूमिपूजन और शिलान्यास करेंगे। वे दोपहर डेढ़ बजे कारीडोंगरी से लोरमी विकासखंड के नवरंगपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव दोपहर दो बजे नवरंगपुर में लोनिया (चौहान) सामाजिक सम्मेलन एवं भवन लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे दोपहर तीन बजे नवरंगपुर से लोरमी स्थित विधायक कार्यालय के लिए रवाना होंगे। श्री साव शाम पांच बजे से छह बजे तक विधायक कार्यालय में क्षेत्रवासियों से भेंट-मुलाकात करेंगे। वे शाम 07:40 बजे विधायक कार्यालय से लोरमी बस स्टैंड स्थित कबीर भवन के लिए प्रस्थान करेंगे। वे रात पौने आठ बजे कबीर भवन में आयोजित अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन में शामिल होंगे। श्री साव रात सवा आठ बजे लोरमी से रायपुर के लिए रवाना होंगे। वे रात पौने 11 बजे वापस रायपुर पहुंचेंगे।

राजधानी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खड़ी गाड़ी में अचानक लगी आग

रायपुर। शहर के पुरानी बस्ती स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक खड़ी गाड़ी में आज अचानक आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने का कारण अभी तक पता चल सका है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में कई खराब वाहन पड़े हुए हैं, जो असामाजिक तत्वों के नशाखोरी के अड्डे बन चुके हैं। ऐसे में कार में लगी आग के पीछे असामाजिक तत्वों के होने की भी आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने इन वाहनों को हटाने के लिए कई बार शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब गाड़ी में आग लगने से इलाके में दहशत का माहौल है।

वार्ड पार्षद और एमआईसी सदस्य जितेंद्र अग्रवाल ने इस घटना का वीडियो जारी करते हुए कहा कि शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आशंका जताई कि असामाजिक तत्वों ने इस घटना को अंजाम दिया हो सकता है।

दक्षिण का रण जीतने कांग्रेस ने बनायी 9 समिति

रायपुर। दक्षिण का रण जीतने के लिए पीसीसी ने विभिन्न समितियों का गठन करते हुए जिम्मेदारी बांट दी है। पहली बार सामाजिक बैठक समिति का गठन भी किया गया है मतलब समाज के लोगों को समाज के नेता साधेंगे,कैसे ये उनकी जिम्मेदारी है। आज राजीव भवन में हुई बैठक के बाद सामाजिक बैठक समिति,विधिक समिति,वार रुम, प्रोटोकाल समिति, मतदाता पर्ची वितरण समिति, कार्यालय व्यवस्था समिति, आय व्यय समिति, निगरानी समिति, भोजन व्यवस्था समिति में नाम तय कर दिए गए हैं। तत्काल में सभी से अपना कार्य निवर्हन प्रारंभ करने भी पीसीसी की ओर से कहा गया है। शनिवार को दक्षिण विधानसभा उप चुनाव को लेकर राजीव भवन में बैठक हुई। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत प्रभारी सचिव एस सम्पत जरिता लेंतफलांग, विजय जांगिंड पूर्व मंत्री, विधायक पूर्व विधायक, सहित बूथ सेक्टर के प्रभारी आमंत्रित थे। प्रत्याशी आकाश शर्मा, सभी कांग्रेस पार्षद, पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू,, उमेश पटेल, अनिला भेडिया, गुरु रूद्र कुमार, पूर्व सांसद छाया वर्मा भी मौजूद रहे। इसमें बूथ मेनेजमेंट और प्रचार अभियान पर चर्चा हुई। सामाजिक बैठकों के लिए आठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। मुस्लिम वोटर्स से चर्चा करने महापौर एजाज ढेबर, फैजल रिजवी,साहू समाज से विधायक संदीप साहू, ब्राह्मण समाज प्रमोद दुबे व ज्ञानेश शर्मा, जैन समाज गजराज पगारिया, उधोराम वर्मा और देवेंद्र यादव (रायपुर) ओबीसी वर्गों में बैठकें कर समर्थन जुटाएंगे।

इंडिया गठबंधन के समर्थन में आप ने नहीं उतारा प्रत्याशी

रायपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली मुख्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक रखी गयी थी जिसमें मंथन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ में सांप्रदायिक ताकतों को रोकने के लिए इंडिया गठबंधन एकजुटता से मुकाबला करेगा। इस वजह से रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। इंडिया गठबंधन की विचारधारा विकासवाद, समावेशिता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर है। अपने प्रयासों को मिलाकर, सदस्य दलों का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना, कल्याण और प्रगति को बढ़ावा देना और उस विचारधारा का मुकाबला करना है जो भारत के विचार को खतरे में डालती है। गोपाल साहू ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार विफल साबित हो रही है। साय सरकार धर्म के नाम पर जनता को बेवकूफ़ बना रही हैं। राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था लचर है।

झारखंड में प्रदेश के नेताओं ने संभाली प्रचार की कमान

रायपुर/रांची/हजारीबाग। झारखंड विधानसभा चुनाव का असर छत्तीसगढ़ में भी दिख रहा है। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में कुल दो चरणों में मतदान प्रक्रिया पूरी होगी। दोनों चरणों में चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी है।

छत्तीसगढ़ बीजेपी की तरफ से प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी लगातार झारखंड में चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। उन्होंने बीते दिनों हजारीबाग सीट पर धुंआधार प्रचार की कमान संभाली। हजारीबाग के बाद उन्होंने बरही में भी चुनाव प्रचार किया। ओपी चौधरी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी की गारंटी के पूरा होने का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी की राज्य सरकार मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। इस दौरान ओपी चौधरी ने कमल खिलेगा, झारखंड चमकेगा का नारा दिया।

ओपी चौधरी ने कहा छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी के तहत 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने 1000 रुपए देने का काम भाजपा सरकार कर रही है। झारखंड की माताओं और बहनों को गोगो दीदी योजना के तहत और भी ज्यादा लाभ मिलेगा। माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

झारखंड में छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने भी प्रचार की कमान संभाली है। उन्होंने 24 अक्टूबर को गिरीडीह में चुनाव प्रचार किया। गिरीडीह के जमुआ विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने चुनाव प्रचार में दावा किया कि झारखंड में बीजेपी की सरकार बनेगी। उसके बाद विजय शर्मा गाण्डेय विधानसभा क्षेत्र में भी चुनाव प्रचार करते नजर आए।

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं ने झारखंड में चुनावी रैली

तेज कर दी है। पूर्व पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने 24 अक्टूबर को झारखंड के महागमा विधानसभा क्षेत्र में मंत्री दीपिका पांडेय के लिए चुनाव प्रचार किया। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव को झारखंड चुनाव में कांग्रेस के घोषणा पत्र को बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को चतरा लोकसभा क्षेत्र का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है-

स. क्र.	सिस्टम निविदा संख्या/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	159988 द्वितीय आमंत्रण 16.10.2024	जिला सुकमा के ग्राम झापरा से पुसपल्ली मार्ग कि.मी. 1/2 से 11/8 कुल लंबाई 10.80 कि.मी. मार्ग निर्माण कार्य, पुल-पुलिया सहित ।	794.86
2.	160005 प्रथम आमंत्रण 16.10.2024	जिला रायपुर के गोंदवारा सरोरा उरला बायपास मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 3.60 कि.मी.) का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित। विधानसभा संभाग रायपुर।	2301.55
3.	160029 प्रथम आमंत्रण 17.10.2024	परदेशीकांपा बस्ती से गोल्हापारा मार्ग लंबाई 2.175 कि.मी. का निर्माण कार्य।	263.249
4	160066 प्रथम आमंत्रण 18.10.2024	हरनाचाका से खुर्सी भार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	221.03
5	160075 द्वितीय आमंत्रण 18.10.2024	जिला राजनांदगांव के औंधी में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं विद्युतीकरण सहित शेष निर्माण का कार्य।	316.63
6	160076 प्रथम आमंत्रण 18.10.2024	नारायणपुर तालाब के पास से सुरेना (सुरेठा) मेन रोड तक पहुंच मार्ग लंबाई 1.85 कि.मी. का निर्माण कार्य।	214.51
7	160259 प्रथम आमंत्रण 21.10.2024	1) जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के ग्राम मुसकुटी से मुख्य मार्ग लंबाई 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2) जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के ग्राम करंजटोली रजौटी मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. का निर्माण कार्य।	598.33

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 एवं सं.क्र. 05 दिनांक 04.11.2024 सं.क्र. 02 दिनांक 08.11.2024 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 12.11.2024 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी- 242503446/9

सीटों के तालमेल को लेकर गतिरोध क्यों?

अमिताभ श्रीवास्तव

विज्ञान में अक्सर कहते हैं कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। अब यह वाक्य टूट-फूट के बाद बने महाराष्ट्र के राजनीतिक दलों के लिए आदर्श बन चुका है। कोई कहता था गद्दारी और कोई मानता है परिवार का विघटन, किंतु यह वर्तमान समय में चुनाव का टिकट पाने की आदर्श स्थिति बन चुकी है। पिछले छह माह में कौन-सा नेता किस दल के साथ था और अब किस दल के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है, यह जानना और समझना लगातार मुश्किल हो चला है। आश्चर्य इस बात का है कि बड़े पैमाने पर चल रहे अंतर और बाह्य गठबंधन दल-बदल को लेकर कोई भी पार्टी परेशान नहीं है। कोई इस आवागमन का शोर नहीं मचा रहा है। बस सिर्फ एक सवाल मतदाता के बीच पैदा हो रहे असमंजस का है, जो वोटिंग मशीन पर बटन दबने के बाद ही दूर हो पाएगा। महाराष्ट्र में पिछले ढाई साल में राजनीतिक दलों की टूट-फूट के बाद पहले लोकसभा चुनाव में परेशानियों की आशंका व्यक्त की गई थी। उसके बाद विधानसभा चुनाव में भी उम्मीदवारों को लेकर हंगामे के आसार थे। स्पष्ट है कि दलों की संख्या बढ़ने से उम्मीदवारों की संख्या बढ़ना स्वाभाविक था, जिसमें निष्ठा और आवश्यकता, दोनों को देखकर स्थिति अनुरूप निर्णय लिए जाने थे। मगर विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद दस दिन बीत चुके हैं और नामांकन की अधिसूचना के बाद चार दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन राज्य के सत्ताधारी महागठबंधन ने सीटों के तालमेल पर अपनी ओर से कोई घोषणा नहीं की है। आश्चर्यजनक रूप से शुक्रवार की शाम तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 99, शिवसेना शिंदे गुट ने 45, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) ने 45 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी। इससे पहले यह समझा जा रहा था कि तालमेल के अनुसार भाजपा 155-160, शिवसेना शिंदे गुट 80-85 और राकांपा(अजित पवार गुट) 55-60 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस कह चुके हैं कि महागठबंधन में 278 सीटों पर फैसला हो चुका है। केवल दस सीटों पर बातचीत जारी है। किंतु इस बात को तीनों दल एक साथ बैठकर गठबंधन के रूप में घोषित नहीं कर रहे हैं। अलबत्ता अपनी-अपनी सूची जारी कर उम्मीदवारों की घोषणा करते जा रहे हैं। सूची में मजेदार बात यह है कि सीटों के तालमेल का तो कहीं पता नहीं चल रहा है, मगर उम्मीदवारों की अदला-बदली के तय समीकरण साफ दिखाई दे रहे हैं। संभव है कि यह रणनीति भीतरी असंतोष को अधिक मुखर न बनाने की हो। ध्यान देने योग्य यह है कि महाराष्ट्र का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं दिखाई दे रहा है कि जहां महागठबंधन के भीतर पार्टी बदल कर उम्मीदवार तय किए जा रहे हों। कोंकण में नीलेश राणे के शिवसेना शिंदे गुट में जाने से आरंभ हुआ सिलसिला जीशान सिद्दीकी और भाजपा के पूर्व सांसद प्रताप चिखलीकर तक पहुंच गया है। उत्तर महाराष्ट्र में खड़से परिवार में बहू भाजपा सरकार की मंत्री, बेटी राकांपा शरद पवार गुट से चुनाव लड़ने जा रही हैं और पिता लंबे समय से भाजपा में वापसी की राह देख रहे हैं। नांदेड़ के पूर्व सांसद भास्कर खतगांवकर की बहू मीनल खतगांवकर लोकसभा चुनाव के पूर्व छत्रपति संभाजीनगर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण की उपस्थिति में मिली थीं। किंतु चुनाव की घोषणा होने से पहले भाजपा को छोड़ दिया और कांग्रेस का दामन थामा। यही नहीं, नांदेड़ जिले की नायगांव सीट से टिकट भी पा लिया। पश्चिम महाराष्ट्र में भाजपा नेता निशिकांत भोसले और पूर्व भाजपा सांसद संजयकाका पाटिल ने राकांपा अजित गुट का दामन थाम कर चुनाव का टिकट भी हासिल कर लिया। राकांपा प्रमुख शरद पवार के कट्टर समर्थक नवाब मलिक ने भी पहले अजित पवार के करीब आकर अपनी स्थिति साफ की, लेकिन भाजपा के विरोध के चलते उनकी बेटी सना मलिक को टिकट देकर अजित पवार ने चाचा और भाजपा दोनों को संदेश दे दिया। नासिक जिले में भी नांदगांव सीट से छगन भुजबल के भतीजे समीर भुजबल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का रास्ता खोज लिया है। वह शिवसेना शिंदे गुट के उम्मीदवार घोषित किए जाने से नाराज थे। विदर्भ के बुलढाणा के सिंदखेड़राजा के विधायक राजेंद्र शिंगणे ने ऐन चुनाव के समय राकांपा अजित पवार गुट छोड़ शरद पवार गुट से नाता जोड़ चुनाव की राह तय कर ली है। असल तौर पर चुनाव की घोषणा के पहले और बाद में पाला बदलना तथा सुविधाजनक स्थान पाना हर दल के नेता का अपना प्रयास बना हुआ है।

ब्रेक के बाद चीन से पुनः दोस्ती के वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

सियासत की तरह वैश्विक कूटनीति में भी न तो कोई किसी का स्थायी दोस्त होता है और न ही चिरस्थायी दुश्मन, कुछेक अपवादों को छोड़कर। शायद यही सोचकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से एक बार फिर हाथ मिलाने की रस्म पूरी कर ली। वो भी मित्र देश रूस के उस कजान शहर में जहां ब्रिक्स देशों की समिट हुई। इससे हमारे प्राकृतिक मित्र और स्थायी शुभचिंतक देश रूस को सबसे ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि इस स्थिति को पैदा करने का अहम सूत्रधार वही है। आज दुनिया जिस विकट स्थिति से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी भारत-चीन का निकट आना अहम है, क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच युद्ध की संभावनाएं निर्मूल साबित होंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत-चीन की दोस्ती के वैश्विक मायने अहम हैं।यह शांति, स्थिरता और विकास की गारंटी है।

वैसे तमाम ऐतिहासिक सम्बन्धों, पंचशील सिद्धांतों और मोदी-चिनफिंग मित्रता के बावजूद कभी भारत चीन युद्ध 1962, तो कभी लद्दाख में गलवान घाटी हिंसक झड़प की जो नौबत आई, वैसी स्थिति निकट भविष्य में पैदा न हो, और यदि हो भी तो भारत अपनी ओर से पुख्ता प्रतिरक्षात्मक तैयारी रखे, इसी रणनीति के साथ भारत-चीन सम्बन्धों को आगे बढ़ाने में कोई हर्ज नहीं है। हां, उससे इस बात की गारंटी लेनी होगी कि सिर्फ भारत-चीन सीमा पर ही नहीं, बल्कि भारत के पड़ोसी देशों यथा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव के अलावा ईरान में भी उसे भारतीय हितों के आगे नहीं जाना होगा, अन्यथा स्थायी मित्रता मुश्किल है!

आज जिस तरह से रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध को पश्चिमी देशों द्वारा हवा दी जा रही है, भारत-कनाडा के तल्ख होते रिश्तों और भारत-अमेरिका और भारत-ब्रिटेन के दांवपेंच भरे रिश्तों को नियंत्रित करने के लिए भी भारत-चीन के मधुर सम्बन्ध बेहद अहम साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, बेकाबू हो रहे इस्लामिक देशों जैसे पाकिस्तान-बंगलादेश आदि को नियंत्रित करने के लिहाज से भी भारत-चीन एक दूसरे के काम आ सकते हैं। आज जिस तरीके से कहीं ईसाइयत तो कहीं इस्लाम हावी होते जा रहे हैं, उसके दृष्टिगत भी हिन्दू मिजाज वाला देश हिंदुस्तान और बौद्ध मिजाज वाला देश चीन परस्पर मिलकर बहुत कुछ उम्दा कर सकते हैं। शायद यही सोच दोनों देशों का नेतृत्व थोड़ा झुका और दोस्ती की बात आगे बढ़ाई जा सकी।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि भारत-चीन के सम्बन्धों का महत्व सिर्फ हमारे लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी अहम हैं। सीमा पर उभरे मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत है। शांति-स्थिरता रखना हमारी प्राथमिकता रहनी चाहिए।आपसी विश्वास, साझा सम्मान और पारस्परिक संवेदनशीलता सम्बन्धों का आधार बने रहना चाहिए। मुझे विश्वास है कि हम खुले मन से बातचीत करेंगे।

वहीं, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का यह कहना है कि भारत और चीन को सम्बन्ध स्थिर बनाए रखने के लिए एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए, जिससे दोनों देशों के विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिल सके। इसके लिए हमें मतभेद दूर करने के लिए कम्युनिकेशन और साथ मजबूत करना चाहिए। दोनों ही प्राचीन सभ्यताएं और विकासशील देश हैं। इसलिए पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका सम्बन्धों की सही दिशा को बनाये रखना है।

ऐसे में सम्बन्धों की सही दिशा क्या होगी, विचारणीय पहलू है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि कई एक मसलों पर आज भारत की दिशा कुछ और है और चीन की दिशा कुछ और, इसलिए खुले मन से ही इस पर पारस्परिक विचार किया जा सकता है। इस क्रम में सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का ध्यान रखना सर्वोपरि होना चाहिए। फिर व्यापार संतुलन को तरजीह दिया जाना चाहिए, जो अभी चीन के पक्ष में एकतरफा है। इसके अलावा, एक-दूसरे को घेरने की रणनीति के विचार को त्याग देना चाहिए। क्योंकि इससे पश्चिमी देशों को फायदा होगा और भारत-चीन को काफी क्षति!

वहीं, चीन के साथ सम्बन्धों के विकास में भारत को हिंदूवादी नजरिया अपनाना होगा, क्योंकि यही वो दृष्टिकोण है जो पारस्परिक सभ्यता-संस्कृति के विकास से लेकर आर्थिक व्यवहार में समृद्धि की गारंटी दे सकते हैं। भारत भगवान बुद्ध की जन्मस्थली है, कर्मस्थली है, इसलिए पर्यटन विकास के द्वारा हमलोग दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को पारस्परिक सूत्र में पिरो सकते हैं। वहीं, भारत-चीन सीमा पर स्थित हिमालय, जो नेपाल, भूटान से भी जुड़ा हुआ है, के विकास में अपार पर्यटकीय संभावनाएं छिपी हुआ हैं, जिसे आसेतु हिमालयी देशों के बीच उभारने की जरूरत है। इससे पूरी दुनिया भारत की ओर खिंचेगी। इससे होने वाली अकूत आय से भी भारत-चीन सीमा की निगरानी और रखरखाव में भी दिक्कत नहीं आएगी। सबकुछ पारदर्शी हो जाएगा।

एक बात और, अरब देशों से भारत के सम्बन्ध हमेशा से अच्छे रहे हैं। लेकिन जब से मुस्लिम आक्रमणकारियों और आतंकवादियों ने भारत को धार्मिक नजरिए से रौंदना शुरू किया, तब से उसके साथ सम्बन्धों में हमें फूंक-फूंक कर चलना होता है। खासकर पाकिस्तान और बंगलादेश के अभ्युदय से भारतीय विदेशनीति की चुनौती बढ़ी है। पहले अमेरिका ने अरब मुल्कों से अच्छे सम्बन्ध बनाए। लेकिन इजरायल के मुद्दे पर जब विरोधाभास बढ़ा तो ईरान की मुखरता देख चीन और रूस ने अरब देशों में अपनी जड़ें गहरी जमा लीं। ऐसे में भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के मुताबिक सतर्कता पूर्वक अरब देशों से सम्बन्ध विकसित करने होंगे, क्योंकि आज अमेरिकी गुट और रूसी गुट, दोनों से भारत के सम्बन्ध मधुर हैं। वहीं, सऊदी अरब और ईरान से भी अच्छी दोस्ती है, क्योंकि ये पाक परस्त नहीं हैं। इसे भी संतुलित रखने में चीनी मित्रता काम आ सकती है।

खास बात यह है कि भारत-चीन में एलएसी विवाद पर सुलझते रिश्तों के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि चीन पर निवेश प्रतिबंध लागू रहेंगे। क्योंकि भारत आंखें बंद करके किसी भी देश से निवेश नहीं ले सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर सावधानी बरतने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय हित की सुरक्षा सबसे जरूरी है। हम देश में निवेश के लिए आंख बंद करके किसी भी देश से पैसा नहीं ले सकते और आंखें मूंदकर एफडीआई स्वीकार नहीं कर सकती। यह भूलकर या इस बात से बेखबर रहकर कि यह कहां से आ रहा है। उन्होंने ठीक ही कहा कि संवेदनशील भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कुछ प्रतिबंध लागू रहने चाहिए। हम व्यापार चाहते हैं। हम निवेश चाहते हैं। लेकिन हमें कुछ सुरक्षा उपायों की जरूरत है, क्योंकि भारत ऐसे पड़ोस के बीच स्थित है जो बहुत ही संवेदनशील है।

उधर, पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त को लेकर चीन के साथ समझौते के ऐलान पर भी कांग्रेस ने कहा है कि इस बारे में सरकार को देश को भरोसे में लेना चाहिए। हम आशा करते हैं कि दशकों में विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल भारत के प्रावधानों के तहत ही निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी। पार्टी ने कटाक्ष किया कि यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नासमझी और भोलेपन नतीजा है। क्योंकि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी। जबकि प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने चीन की पांच आधिकारिक यात्राओं के साथ 18 बैठकें की। वहीं, वैश्विक नजरिए से भारत का पक्ष तब सबसे अधिक कमजोर हुआ जब प्रधानमंत्री ने चीन को %क्लीन चिट% देते हुए कहा था कि, %ना कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा है। इसलिए अब सोच-समझकर ही सारे कदम उठाने होंगे।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

साथ- अपने भृत्य वा स्त्रियादि के लिये भी वेदों का प्रकाश किया है- इस उपसंहारात्मक वाक्य का समन्वय करने पर निराकार बाबा के बोबी बच्चे और नौकर-चाकर भी निकल पड़ते हैं। तनिक रेखाङ्कित अंश पर विचार कर देखे।

वास्तत्र में उपर्युक्त मन्त्र को सब भाष्यकारों ने यजमान की उक्ति में विनियुक्त किया है। अग्निष्टोमादि यज्ञ के समय यजमान अपने समस्त कार्यकर्ताओं को शिक्षा देता है कि जैसे मैं चारों वर्णों और अपने तथा परायों सबके प्रति (कल्याणीं वाचम्) मीठी वाणी बोलता हूं इसी प्रकार तुम्हें भी सबसे नम्र व्यवहार रखना चाहिए। इस मन्त्र के उत्तरार्ध में वही वक्ता नीचे लिखे शब्द कहता है।

(दयानन्दार्थ) (मा) मुझे (अदः) वह परोक्ष सुख (उमनमतु) प्राप्त होवे - यहाँ प्रष्टव्य है कि क्या ईश्वर भी किसी दूसरे से सुख की भीख मांगता फिरता है ?

यदि हम दयानन्द-भाष्य में विनियोग-मर्यादा की उपेक्षा के कारण होने बाले अनर्थों का भाँडाफोड़ करने लगें तो एक स्वतन्त्र ग्रन्थ तैयार हो जाय । इसलिए संकेतमात्र करके यह सिद्ध करना चाहते हैं कि पुराणों के बिना ऋषि-देवता-चरित्रात्मक विनियोगों का पूर्ण ज्ञान नहीं हो सकता और विनियोगों के बिना वेदों का स्वाध्याय सर्वथा असम्भव है। यदि विनियोगशून्य दयानन्दी-भाष्य के सम्बन्ध में विद्वानों का मत जानने की आवश्यकता हो तो सर्वप्रथम आर्यसमाज के नेता-किन्तु स्फुटवक्ता पं0 नरदेव शास्त्री वेदतीर्थ से ही पूछ देखिये आप लिखते हैं कि:-

(1) इस (दयानन्दकृत) भाष्य को देख कर प्रायः अंग्रेजी पढ़े लोग संशय सागर में पड़ जाते हैं और इस अभिप्राय पर पहुंचते हैं कि वेदों में प्रकरणबद्ध कोई बात नहीं, सब जगह केवल ईश्वर का ही वर्णन आता है, क्रम कोई नहीं।

क्रमशः ...

भारतीय सेना का इन्फैंट्री दिवस

विकास

भारतीय सेना हर साल 27 अक्टूबर को 'इन्फैंट्री डे' यानी पैदल सेना दिवस के रूप में मनाती है। इस दिन जब सिख रेजिमेंट की पहली बटालियन श्रीनगर एयरबेस पर उतरी और दृढ़ता और असाधारण साहस का परिचय दिया और पाकिस्तानी सेना के बुरे मंसूबों को विफल करने के लिए 'दी वॉल' बन गई, जिसने 1947 में आदिवासी हमलावरों की मदद से कश्मीर पर आक्रमण किया था।

मामले की जानकारी मिलते ही भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने भारतीय सेना को कार्रवाई करने का आदेश दिया। भारतीय सेना की ओर से 1-सिख रेजिमेंट को ऑपरेशन के लिए जम्मू-कश्मीर भेजा गया। सिख रेजिमेंट ने 27 अक्टूबर को जम्मू और कश्मीर में ऑपरेशन कर पाकिस्तानी लड़ाकों को पीछे हटने के लिए मजबूर किया।

भारत के आजादी के बाद 26 अक्टूबर, 1947 को जम्मू-कश्मीर का देश के साथ आधिकारिक तौर पर विलय हुआ था। जम्मू-कश्मीर के राजा हरि सिंह ने भारत में विलय के कागजातों पर हस्ताक्षर किए। उसके बाद भारतीय सेना 27 अक्टूबर, 1947 को बडगाम हवाई अड्डे पर उतरी थी और इस दिन को 'इन्फैंट्री दिवस' के रूप में मनाया जाता है। कुछ सालों बाद 1956 में इसे भारतीय संघ का हिस्सा भी घोषित कर दिया गया।

दरअसल, आजादी के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर को हड़पने की योजना बनाई थी। 22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान ने 5 हजार कबायलियों को कश्मीर में घुसपैठ करके कब्जा करने के लिए भेजा था, तब कश्मीर के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह ने भारत सरकार से मदद मांगी। इसके बाद महाराजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

तब सेना की सिख रेजिमेंट की पहली बटालियन से एक पैदल सेना का दस्ता विमान से दिल्ली से श्रीनगर भेजा गया। 27 अक्टूबर, 1947 को भारतीय पैदल सैनिकों ने कश्मीर को कबायलियों के चंगुल से छुड़ा दिया।

इन्फैंट्री डे को स्वतंत्र भारत की पहली सैन्य घटना की याद के रूप में मनाया जाता है, 27 अक्टूबर 1947 को कश्मीर घाटी में पाकिस्तानी सेना और लश्कर आक्रमणकारी द्वारा जम्मू-कश्मीर को हथियाने की कोशिश की गई तब भारतीय सेना की सिख रेजिमेंट की पहली बटालियन ने भारतीय धरती पर पहले हमले पर जीत हासिल करने के लिए लड़ाई लड़ी थी।

इन्फैंट्री भारतीय सेना की सबसे बड़ी लड़ाकू शाखा है, जिसे युद्ध की रानी के रूप में भी जाना जाता है, यह भारतीय सेना की रीढ़ है और इसके सैनिक किसी भी युद्ध में मुख्य खामियाजा भुगतते हैं। शारीरिक फिटनेस, आक्रामकता और अनुशासन इन पुरुषों में आवश्यक बुनियादी गुण हैं। भारतीय सेना की इन्फैंट्री इकाइयों को आधुनिक, सुसज्जित और प्रशिक्षित किया गया है ताकि भारतीय सेना को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाया जा सके।

राजनीति के लिए परिवार से भिड़ने में भी गुरेज नहीं करते हैं नेता

नीरज कुमार दुबे

राजनीति में परिवारवाद तो जमकर चलता है लेकिन राजनीति के चलते ही परिवार के लोग भी एक दूसरे के खिलाफ हो जाते हैं। ऐसे दो ताजा उदाहरण महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से सामने आये हैं। महाराष्ट्र से उदाहरण बारामती सीट से सामने आया है। यहां अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत की थी। अब अजित पवार के विधानसभा क्षेत्र में उनको चुनौती देने के लिए उनके भतीजे को उतार दिया गया है। यानि एक बार फिर चाचा-भतीजे की जंग देखने को मिलेगी। इसी तरह उत्तर प्रदेश की करहल विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में मुलायम परिवार के बीच ही लड़ाई का अखाड़ा सज गया है।

हम आपको बता दें कि करहल विधानसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में मुलायम सिंह यादव के रिश्तेदारों के बीच लड़ाई देखी जा रही है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अनुजेश यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया। हम आपको बता दें कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लोकसभा के लिये निर्वाचित होने के बाद उनके इस्तीफे से करहल सीट रिक्त हुयी थी, और इस कारण यहां 13 नवंबर को मतदान कराया जायेगा। अनुजेश यादव को मैदान में उतारने के भाजपा के फैसले ने सपा के तेज प्रताप यादव के साथ मुकाबला कड़ा कर दिया है, जो शक्तिशाली सैफई परिवार के सदस्य और दिवंगत मुलायम सिंह यादव के भतीजे रणवीर सिंह यादव के पोते हैं। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक दूसरी ओर अनुजेश यादव मुलायम सिंह यादव के भतीजे और आजमगढ़ से सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव के सगे जीजा हैं। धर्मेन्द्र सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षक इस उपचुनाव को यादव परिवार के दो रिश्तेदारों के बीच एक बड़े पारिवारिक मामले के रूप में देख रहे हैं, जिसमें तेज प्रताप करहल सीट पर सपा के लंबे समय से कब्जे का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि अनुजेश यादव भाजपा के समर्थन से अपनी पैठ बनाने का लक्ष्य रखते हैं। अनुजेश यादव फिरोजाबाद जिले के भरौल गांव के रहने वाले हैं और उनकी शादी मैनपुरी के जिला पंचायत की पूर्व जिला प्रमुख संध्या यादव से हुई है, जो भाजपा की प्रमुख समर्थक रही हैं। यादव परिवार से उनके पारिवारिक संबंध उपचुनाव में जटिलता की एक परत जोड़ते हैं, क्योंकि वे सपा के उम्मीदवार तेज प्रताप यादव के %फूफा% हैं।

करहल सीट पर 1993 से सपा का दबदबा है और 2022 के विधानसभा चुनाव में खुद अखिलेश यादव ने इस सीट पर जीत हासिल की थी। हालांकि, 2024 में कन्नौज से लोकसभा में जीत के बाद उन्होंने करहल सीट खाली कर दी, जिससे इस उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा भी अवनीश कुमार शाक्य नाम के उम्मीदवार को मैदान में उतारने के बावजूद राजनीतिक विश्लेषक इस मुकाबले को भाजपा और सपा के बीच सीधी लड़ाई के रूप में देख रहे हैं। बसपा के इस कदम को सपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, खासकर सपा के जिला प्रमुख एवं विधायक रह चुके आलोक शाक्य के शाक्य वोटों पर कब्ज़ा करने की उम्मीद है। रिश्तेदारों के बीच प्रतिद्वंद्विता तब और बढ़ गई, जब 24 मार्च, 2019 को धर्मेंद्र यादव के नाम से एक पत्र वायरल हुआ, जिसने भाजपा में शामिल होने के फैसले के बाद अनुजेश से खुद को दूर कर लिया था। पत्र में लिखा था, जो कोई भी भाजपा में शामिल होता है, वह मेरा रिश्तेदार नहीं हो सकता। हम आपको बता दें कि यादव परिवार के पैतृक गांव सैफई से महज चार किमी दूर स्थित करहल डिंपल यादव के मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र का भी हिस्सा है। यह भी उल्लेखनीय है कि करहल उत्तर प्रदेश की उन नौ विधानसभा सीटों में से एक है जहां 13 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। नतीजे 23 नवंबर को आने हैं।

वहीं महाराष्ट्र के बारामती क्षेत्र की बात करें तो आपको बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने विधानसभा चुनाव के लिए 45 प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी की जिसमें बारामती सीट से युगेंद्र पवार को उम्मीदवार बनाया गया है। युगेंद्र इस सीट पर अपने चाचा एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को चुनौती देंगे। पिछले साल अपने चाचा और पार्टी संस्थापक शरद पवार से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष बने अजित पवार पुणे जिले के बारामती विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। उनकी पार्टी ने पहले ही घोषणा कर दी है कि अजित अपनी पारंपरिक सीट से चुनाव लड़ेंगे। युगेंद्र (32) अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के तहत 20 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी।

पवार परिवार के पारंपरिक गढ़ बारामती में हाल के लोकसभा चुनावों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और उनकी ननद सुप्रिया सुले के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। सुले बारामती सीट से सांसद हैं। वह शरद पवार की बेटी और अजित की (चचेरी) बहन हैं। सुले ने 1.50 लाख से अधिक मतों से जीत हासिल की। पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल ने संवाददाता सम्मेलन में राकांपा (एसपी) उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बारामती के लोगों की मांग पर युगेंद्र को उम्मीदवार के रूप में चुना गया है। पाटिल ने कहा, मैंने स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उनके अनुसार, युगेंद्र एक नया चेहरा हैं और सभी को साथ लेकर चल सकते हैं। हमें लगा कि वह हमारी तरफ से सबसे अच्छा विकल्प होंगे। जिस तरह से लोग उनका समर्थन कर रहे हैं, इस बार परिणाम अलग होंगे। टिकट दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए युगेंद्र पवार ने कहा कि वह पार्टी सुप्रीमो शरद पवार के आभारी हैं कि उन पर भरोसा जताया गया। युगेंद्र ने कहा कि वह पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

आज का इतिहास

1940 न्यूयॉर्क में विश्व मेला 537,952 आगंतुकों के एक दिन के समापन के साथ संपन्न हुआ।
1946 फ्रांस में जनमत संग्रह के बाद इस देश के चौथे राष्ट्रपतिकाल के संविधान को जनता की स्वीकृति मिली इस प्रकार फ्रांस में चौथा लोकतंत्र आरंभ हुआ।
1958 पाकिस्तान के राष्ट्रपति स्केदर मिर्जा को अपदस्थ कर जनरल अय्यूब खां पाकिस्तान के शासक बने।
1958 जनरल अयूब खान ने इस्कंदर मिर्जा को रक्तहीन तख्तापलट में पाकिस्तान के दूसरे राष्ट्रपति बनने के लिए पद से हटा दिया, जब मिर्जा ने उन्हें मार्शल लॉ का प्रवर्तक नियुक्त किया था।
1959 पश्चिमी मेक्सिको में चक्रवाती तूफान से कम से कम 2000 लोग मरे।
1962 दोनों पार्टियों से काफी गणना के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूएसएसआर शत्रुता को समाप्त करने के लिए एक सहमति योजना पर पहुंचते हैं और पखवाड़े पुरानी क्यूबा मिसाइल संकट का सामना करते हैं, जिसमें दुनिया एक सर्वनाशकारी परमाणु आर्मडोन का विचार कर रही थी।
1981 शीत युद्ध-सोवियत व्हिस्की-श्रेणी की पनडुब्बी 137 रनवे के पास कार्लस्क्रोन नेवल बेस (स्मारक चित्र) के चारों ओर घिर गई, चिंगारी की घटना को व्हिस्की ऑन द रॉक्स करार दिया।
1986 ब्रिटिश सरकार ने अप्रत्याशित रूप से वित्तीय बाजारों को निष्क्रिय कर दिया है, एक कदम जिसने देश में उनके कार्य करने के तरीके को बदल दिया है, जिसे बिग बैंग के रूप में करार दिया गया है।
1986 अंतर्राष्ट्रीय विश्व प्रार्थना दिवस असीसी इटली में आयोजित की गयी।
1991 तुर्कमिनस्तान की उच्च परिषद ने सोवियत संघ से इस देश की स्वतंत्रता को स्वीकृति दी।
1999 आर्मेनिया संसद पर हुए आतंकी हमले में पीएम वाजगेन सर्गस्यान व स्पीकर कारेन देमिर्च्यान मारे गए।
2000 हेनरी मैक्लिश स्कॉटलैंड के पहले मंत्री बने।
2003 चीन में भूकम्प से 50,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए।
2004 बोस्टन रेड सोक्स ने 86 साल में क्लब की पहली चैंपियनशिप जीतने के लिए सेंट लुइस कार्डिनलस्टो का एक स्वीप पूरा किया।

भारत-जर्मनी के द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ

कमलेश पांडे

भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय सम्बन्ध वैसे नहीं हैं, जैसे भारत और फ्रांस के हैं, भारत और इजरायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सम्बन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है।

हालांकि, गत दिनों भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो रणनीतिक बातचीत हुई है, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जर्मनी का नेतृत्व भी वैश्विक नजाकत और जरूरत को देखते हुए भारत के प्रति अपने पुराने रुख में बदलाव ला रहा है, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। वास्तव में, फोकस ऑन इंडिया और लेबर स्ट्रैटिजी नाम से जारी दो जर्मन रिपोर्ट्स में इस बात का जिक्र किया जा चुका है कि जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं। हालिया वर्षों में यह संख्या दुगुनी हुई है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे समझा है और भारत के दौरे के क्रम में कहा भी है कि दुनिया में हमें मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है- जैसे भारत और जर्मनी हैं। प्रिय मोदी जी, नई दिल्ली में स्नेहपूर्वक स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। चूंकि जर्मनी में भारत से नजदीकी सम्बन्धों पर पार्टी लाइन से अलग सामूहिक राजनीतिक सोच सामने आई है। क्योंकि दोनों देशों के बीच माइग्रेशन रिश्तों की अहम कड़ी बनकर उभरा है। इसलिए दोनों देशों के बदलते और नव प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को समझने की जरूरत है।

पहला, भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्युचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार, अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है।

वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है। वहीं, उनका यह कहना कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए सुरक्षा परिषद सहित विभिन्न बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है।

एक बात और, समसामयिक दुनिया जिस तरह से तनाव, संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर गम्भीर चिंताएं हैं। ऐसे समय मे भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत सहारे के रूप में उभरी है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी से घोषित फोकस ऑन इंडिया रणनीति का स्वागत करते हुए कहा है कि, मुझे खुशी है कि अपनी साझेदारी को विस्तार देने और बढ़ाने के लिए हम कई नई और महत्वपूर्ण पहल कर रहे हैं। क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नॉलजी, स्किल डिवेलपमेंट और इनोवेशन पर सरकार की अप्रोच को लेकर सहमति बनी है। इससे एआई सेमीकंडक्टर और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बल मिलेगा। वहीं, रक्षा क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है।

वहीं, पीएम ने गोपनीय सूचनाओं (क्लासिफाइड इन्फर्मेशन) पर सामने आए समझौतों को बेहद अहम बताया। जबकि साझा लीगल असिस्टेंट ट्रीटी को आतंकवादी और अलगाववादी तत्वों से निपटने की दिशा में अहम कदम करार दिया। साथ ही कहा कि ग्रीन और सस्टेनेबल ग्रोथ के साझा कमिटमेट पर दोनों देश लगातार काम कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप के दूसरे दौर पर सहमति बनाई है। दोनों देशों ने ग्रीन हाइड्रोजन रोडमैप भी लॉन्च किया।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी की कंपनियों को देश में आमंत्रित करते हुए ठीक ही कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई जगह नहीं है और देश की विकास गाथा का हिस्सा बनने का यह सही समय है। उन्होंने एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस के 18वें सम्मेलन में कहा कि विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनना, मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड पहल में शामिल होने का यह सही समय है। जर्मनी ने भारत के कुशल वर्क फोर्स में जो विश्वास जताया है, वह अद्भुत है। इस यूरोपीय देश ने कुशल भारतीय वर्क फोर्स के लिए वीजा की संख्या 20,000 से बढ़ाकर 90,000 करने का निर्णय लिया है।

मोदी ने आगे यह भी कहा कि, भारत वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बन रहा है। यह आज डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड और डेटा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रेकॉर्ड निवेश कर रहा है। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि जर्मन प्रतिनिधिमंडल को भारत की संस्कृति, भोजन और खरीदारी का भी आनंद लेना चाहिए। ताकि दोनों देश और उसके लोग एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें।

बकौल मोदी, भारत और जर्मनी के बीच वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर से अधिक है। जर्मनी की कई कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। वहीं, चांसलर शोल्ज ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में कहा कि हमारी सरकार भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत में तेजी लाने की कोशिश कर रही है। अगर मिलकर काम करें तो यह काम महीनों में पूरा हो सकता है। हमारी सरकार ने हाल में कुशल भारतीय कर्मचारियों को जर्मनी बुलाने की रणनीति पर सहमति जताई है। इससे स्पष्ट है कि कारोबारी समझौते पर तेजी लाने की कोशिश में जर्मनी है, जो सराहनीय कहा जा सकता है। यह भारत के दूरगामी हित में है। यदि जर्मनी से हमारे सम्बन्ध फ्रांस की भांति प्रगाढ़ होते हैं तो इससे यूरोपीय संघ के साथ भारत के रिश्ते को जीवंतता मिलेगी और चीन व अरब देशों पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी पड़ेगा।

आपसी भरोसा और सम्मान कायम कर पाएगा चीन?

शोभना जैन

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा- एलएसी पर दोनों देशों के बीच हाल ही में उस क्षेत्र में सैनिकों की गश्त को लेकर हुआ अहम समझौता स्वागत योग्य है। इसके मायने हैं कि वर्ष 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प से पैदा हुए गतिरोध से पहले भारतीय सैनिक जहां गश्त लगाते थे अब वह पुनः उस स्थान पर गश्त लगा सकेंगे।

रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता में मोदी ने सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिए जाने के साथ ही कहा कि आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता दोनों के रिश्तों का आधार होना चाहिए। ऐसे में सवाल है कि क्या चीन उस भरोसे को कायम करने के लिए उपयुक्त कदम उठाएगा?

इस समझौते के बारे में हालांकि अभी पूरी जानकारी मुहैया नहीं कराई गई है लेकिन शुरुआती कदम बतौर गश्त बहाल करने पर सहमति एक अच्छा संकेत है। लेकिन पिछले सालों में चीन ने इन क्षेत्रों में जिस तरह से आक्रामक गतिविधियों का जाल बिछाया है, उसके चलते संबंध सामान्य बनाने के अगले चरण काफी चुनौतीपूर्ण होंगे। हालांकि चीन अब समझ चुका है कि भारत के साथ इस तरह की आक्रामक गतिविधियां ज्यादा नहीं चल सकतीं, फिर भी इतनी आसानी से वह वहां हड़पी जमीन को छोड़ने वाला नहीं है।

दोनों नेताओं की पांच साल बाद बातचीत हुई है। मोदी और जिनपिंग के बीच आखिरी बार 2019 में द्विपक्षीय मुलाकात हुई थी। पिछले कुछ महीनों में

कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर जो वार्ताएं हुई हैं, उसका ही नतीजा है कि तनाव कम करने पर एक समझौते की बात सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''भारत और चीन के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। भारत की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन की तरफ से विदेश मंत्री वांग यी इन मामलों पर जल्द ही औपचारिक बैठक करेंगे।

वैसे जानकारों के अनुसार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सर्दियों के आने पर और बर्फबारी होते ही गश्त अपेक्षाकृत थोड़ी धीमी पड़ सकती है। इस दौरान चीन अगर नेकनीयती दिखाए तो दोनों देश मिल कर अपनी सेनाओं के विवादास्पद क्षेत्रों से हटने के बारे में आगे का रोडमैप तैयार कर सकते हैं। लेकिन चीन की कथनी और करनी में फर्क के चलते उसके प्रति भारत का पिछला अनुभव बहुत तल्ख रहा है। इसलिए हाड़ कंपा देने वाली सर्दियां शुरू होते ही चीन इस सीमा पर कैसी सैन्य स्थिति बनाएगा, इस पर फिलहाल तो कुछ कह पाना मुश्किल है। उम्मीद की जानी चहिए कि चीन आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदन शीलता से आपसी संबंध बनाने के लिए भारत के प्रयासों में साझीदार बन सकेगा ताकि संबंध सामान्य बनाने की एक नई शुरुआत हो सके। निश्चय ही सीमा पर तनाव कम करने संबंधी चीन के अगले कदमों से यह बात जाहिर हो जाएगी।

प्रमुख राज्यों में निर्णायक साबित हो सकते हैं भारतीय अमरीकी

श्रीराम लक्ष्मण

अमरीकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य प्रमिला जयपाल ने अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव और डैमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के चुने जाने की संभावनाओं के बारे में बात की। कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुने जाने पर उन्हें ट्रम्प से असंतुष्ट कुछ रिपब्लिकन, उदारवादी और प्रगतिवादियों को सफलतापूर्वक साथ लाने के लिए क्या करना होगा, इस बारे प्रमिला ने कहा, मुझे लगता है कि वह पहले से ही ऐसा कर रही हैं। उन्होंने लगभग दोषरहित अभियान चलाया है। वह अमरीका में हर किसी के लिए अवसर पाने के लिए एक उल्लेखनीय आवाज रही हैं। उनके बारे में सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि अलग-अलग लोग उनमें खुद को अलग-अलग तरीकों से देख सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण क्षण है। जाहिर है, यह इलैक्टोरल कॉलेज की वजह से करीब हैं।

लोकप्रिय वोट, हम हमेशा डैमोक्रेट के रूप में जीतते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हमारे पास इलैक्टोरल कॉलेज के साथ एक प्रणाली है, जहां यह कुछ प्रमुख राज्यों तक सीमित हो जाता है और भारतीय अमरीकी इनमें से कई प्रमुख राज्यों में जीत का अंतर हो सकते हैं। अरब अमरीकियों के लिए उनके संदेश बारे पूछने पर प्रमिला जयपाल ने कहा, मैं युद्ध विराम की आवश्यकता पर बहुत मुखर रही हूं, जिसमें यह कहना भी शामिल है कि हम इसराईल को आक्रामक सैन्य हथियार देना बंद कर देंगे, यदि वह गाजा और अब लेबनान पर उन हथियारों का इस्तेमाल करना बंद नहीं करता। इसलिए मैं उनकी चिंताओं को सांझा करती हूं। लेकिन मैंने उनसे जो कहा है, वह यह है कि मत भूलिए कि डोनाल्ड ट्रम्प वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने वास्तव में (बेंजामिन) नेतन्याहू को वैस्ट बैंक में बस्तियों का विस्तार करने के लिए सशक्त बनाया।

इसराईल में डोनाल्ड ट्रम्प के राजदूत (डेविड फ्राइडमा) वास्तव में वह व्यक्ति थे, जिनकी बस्तियों के विस्तार में मौद्रिक रुचि थी। डोनाल्ड ट्रम्प के तहत

(यू.एस.) दूतावास को यरूशलम ले जाया गया। डोनाल्ड ट्रम्प ने 'मुस्लिम प्रतिबंध' की स्थापना की। इसलिए मुझे लगता है कि हमें यह सोचना होगा कि नीति बदलने के लिए लंबी लड़ाई कैसे होगी। कमला हैरिस हमें वह काम करने में सक्षम होने के लिए अधिक उपजाऊ जमीन प्रदान करेंगी। भारतीय अमरीकियों, अरब अमरीकियों, मुस्लिम अमरीकियों, सभी को इस बारे में सोचने की जरूरत है कि हम कमला हैरिस के लिए यह चुनाव कैसे जीतें और फिर हम उन नीतियों पर काम करना जारी रख सकते हैं जिन पर हमें काम करने की जरूरत है।

क्या आपको लगता है कि चुनाव खत्म होने के बाद और अगर वह जीत जाती हैं, तो वह इसराईल के संबंध में अधिक आक्रामक होंगी, इस पर प्रमिला ने कहा, मुझे नहीं पता। मैंने उनसे इस बारे में सीधे बात की है। मैंने कहा है कि हमारे लिए अपने घरेलू कानूनों को लागू करना कितना महत्वपूर्ण है। आपने रविवार को सैक्रेटरी ब्लिंकन और सैक्रेटरी ऑस्टिन से आया पत्र देखा, जिसमें ठीक यही कहा गया था कि इसराईल कई चीजों का पालन नहीं करता। वे कहते हैं कि हम तब तक धन मुहैया नहीं करा सकते जब तक कोई अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन नहीं करता। हैरिस अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से अधिक प्रगतिशील हैं। बाइडेन का यह भी कहना है कि उनके व्यक्तिगत संबंध विदेशी नेताओं के साथ उनके संबंधों को बढ़ावा देते हैं और इसमें योगदान देते हैं।

आपको क्या लगता है कि ये दो कारक भारत के प्रति अमरीकी दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित करेंगे, मान लीजिए, अगले कुछ वर्षों में, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पद पर होंगे? इसके उत्तर में सुश्री जयपाल ने कहा, कमला हैरिस का भारत से बहुत गहरा संबंध है, क्योंकि उनकी मां भारत से थीं। उनका परिवार अभी भी भारत में रहता है। वह संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। वह इसे समझती हैं। वह एक ऐसा जीवंत अनुभव लेकर आ रही हैं, जिसे आप देश को अलग से समझने के जरिए दोहरा नहीं सकते। उस दृष्टिकोण से, वह उन संबंधों को बनाने के लिए बहुत योग्य होने जा रही हैं। लेकिन साथ ही वह 4 साल तक उपराष्ट्रपति रही हैं।

उन्होंने दुनिया भर की यात्रा की है। वह विश्व नेताओं से मिल चुकी हैं और मुझे लगता है कि राष्ट्रपति बाइडेन के साथ काम करते हुए वह विदेशी मामलों में बहुत शामिल रही हैं। मुझे लगता है कि वह संयुक्त राज्य अमरीका की अगली राष्ट्रपति बनने के लिए असाधारण रूप से सक्षम हैं और वैश्विक मंच पर अमरीका के लिए सम्मान बहाल करने और विश्व नेताओं के साथ और भी गहरे संबंध बनाने के लिए, जो नितांत आवश्यक है। अगर हम कमला हैरिस को अगले राष्ट्रपति के रूप में चुनने के लिए पर्याप्त भाग्यशाली हैं, तो मुझे विश्वास है कि वह जबरदस्त गरिमा, अनुग्रह और कौशल के साथ ऐसा करेंगी।

यह कैसा बांग्लादेश है, क्या फिर लौट रहा है काला दौर?

तस्लीमा नसरीन

बांग्लादेश की 'एनजीओ' सरकार ने कुल आठ राष्ट्रीय दिवस रद्द कर दिए हैं। इनमें से छह दिवस तो शेख हसीना की मां, भाई आदि के जन्म दिवस थे, जिन्हें रद्द किया ही जाना चाहिए था। शेख हसीना ने बांग्लादेश को अपने पिता का देश मान लिया था, इसलिए सत्ता में रहते हुए अपने परिजनों की सेवा में ही वह व्यस्त थीं। वह भूल गई थीं कि बांग्लादेश में राजतंत्र या परिवारवाद वैध नहीं है। लोकतंत्र ही वैध है। हालांकि तब भी मेरा मानना है कि दो राष्ट्रीय दिवसों-सात मार्च और 15 अगस्त को रद्द किया जाना उचित नहीं। 15 अगस्त राष्ट्रीय शोक दिवस था, क्योंकि उस दिन शेख मुजीबुर रहमान और उनके परिवार के लोगों की नृशंस तरीके से हत्या की गई थी।

सात मार्च, 1971 को शेख मुजीबुर रहमान ने जो यादगार भाषण दिया था, उसे सुनने के बाद ही लोग मुक्तियुद्ध में भाग लेने के लिए कूद पड़े थे। इस दिन को राष्ट्रीय दिवस की मर्यादा न देने का अर्थ है बंगालियों के अस्तित्व को मर्यादा न देना। सात मार्च के भाषण, आजादी की घोषणा, मुक्तियुद्ध, विजय लाभ, पाकिस्तान के शोषण से मुक्ति, बांग्लादेश का जन्म-ये सब किन्हें सहन नहीं होता? जाहिर है, पाकिस्तान की सेना के विश्वस्त बंगाली रजाकारों को, उनके बच्चों और पोते-पोतियों को। इन लोगों का गुस्सा भारत पर भी है, क्योंकि बांग्लादेश को आजादी दिलाने में भारत ने मदद की थी। भारत के विरुद्ध युद्ध की घोषणा करने के बाद मूर्खों ने चुप्पी साध ली, क्योंकि उन्हें मालूम चल गया कि भारत को नाराज करने पर लाभ के बजाय उनका नुकसान ही होने वाला है। लेकिन वे मुक्तियुद्ध के समर्थकों को चिढ़ा रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि इसका उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। वे भूल गए कि सिर्फ अवामी लीग ही मुक्तियुद्ध की समर्थक नहीं है।

रजाकारों और उनके समूहों को छोड़कर बांग्लादेश के तमाम लोग मुक्तियुद्ध के समर्थक हैं। रजाकारों के बच्चे और उनके नाती-पोते यदि अब 21 फरवरी, 26 मार्च और 16 दिसंबर को रद्द घोषित करें, तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। वे लोग अगर शहीद मीनार और स्मृतिसौध को ध्वस्त कर दें, तो हैरानी नहीं होगी। ये लोग अगर बांग्लादेश का नाम बदलकर इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश या पूर्वी

पाकिस्तान रख दें, तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। अगर ये लोग 14 अगस्त को आजादी का दिवस मनाएं, तो हैरानी नहीं होगी। राष्ट्रपिता के रूप में ये लोग अगर जिन्ना की फोटो लगाएं, तो आश्चर्य नहीं होगा। ये लोग अगर बांग्लादेश में शरीयत कानून लागू करें, तो हैरानी नहीं होगी। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के सहयोगी और बांग्लादेश की कथित क्रांति के सूत्रधार महफूज आलम की पहली बार फेसबुक पोस्ट देखकर मैं डर गई। उनकी पोस्ट में लिखा है कि देश की एक इंच जमीन भी अवामी लीग या मुजीब समर्थकों के लिए नहीं है। वह कहना चाहते थे कि अवामी लीग नरसंहार की दोषी है, उसके लोगों ने आंदोलनकारी छात्रों की हत्या की है। इन सबका हिसाब होगा। हिसाब तो सबका ही होना चाहिए। जुलाई-अगस्त की कथित क्रांति से जो जिहादी जुड़े थे, उन्होंने तो पुलिस के लगभग तीन हजार जवानों का गला काटकर सड़कों पर उनकी लाशें उल्टी लटका दी थीं। इतनी बड़ी संख्या में पुलिस के जवानों की हत्या भी तो नरसंहार है, इन मामलों में भी न्याय क्यों नहीं होना चाहिए?

महफूज आलम छात्रों की हत्या को तो नरसंहार कह रहे हैं, पुलिस के जवानों की हत्या को नहीं। 15 जुलाई से आठ अगस्त तक जो खून-खराबा हुआ, उसकी जांच न होने से संबंधित जो कानून अंतरिम सरकार ने पारित किया है, मुजीब समर्थकों पर वह लागू नहीं होगा। सूत्रधार का कहना है कि बदला लेने की राजनीति वह करना नहीं चाहते, लेकिन विवश होकर करनी पड़ रही है। इसका मतलब वह मुजीब समर्थकों की हत्या करना चाहते हैं। उनका कहना है कि मुजीब समर्थकों के लिए एक इंच जमीन भी नहीं छोड़ी जाएगी। यानी अवामी लीग से जुड़े लोगों को देश से निकाला जाएगा। लेकिन किसी को देश से भागने भी तो नहीं दिया जा रहा। यानी मुजीब समर्थकों को फांसी पर झुलाया जाएगा या उन्हें उम्रकैद की सजा मिलेगी। मुजीब के जिस समर्थक ने कभी खून नहीं किया, किसी हत्या का समर्थन नहीं किया, उसे भी सजा मिलेगी, क्योंकि उसने मुजीब के विचारों पर भरोसा किया।

इसका अर्थ क्या हुआ? यानी यह सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोगों की आजादी और विरोधी विचारधारा पर भरोसा नहीं करती। यानी यह सरकार लोकतंत्र, मानवाधिकार और धर्मनिरपेक्षता पर भरोसा नहीं करती। ऐसी सरकार तो तानाशाही, हिंसक हसीना सरकार से भी सौ गुना हिंसक और तानाशाह है। इस बीच बंगाल की अग्निकन्या मतिया चौधुरी का निधन हो गया। वहां की मिट्टी में उन्हें जगह नहीं मिली। वैसे में उन्हें उनके दिवंगत पति पत्रकार बजलुर रहमान की कब्र में दफन किया गया। 1960 के दशक में तानाशाह पाक सैन्य जनरल अयूब खान के विरोध में जो छात्र आंदोलन हुआ था, उसमें मतिया चौधुरी ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। उस दौर में उन्हें चार बार जेल में रहना पड़ा था। बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बांग्ला अकादमी ने 2021 में उन्हें फेलोशिप दी थी। लेकिन इस वीर मुक्तियोद्धा को निधन के बाद राष्ट्र ने सम्मान नहीं दिया। 25 मार्च, 1971 को पाकिस्तानी सेना ने ढाका समेत दूसरे इलाकों में बंगाली बुद्धिजीवियों का सामूहिक संहार किया था। वही काला दौर अब लौट रहा है। कई प्रसिद्ध पत्रकारों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। लेखक-बुद्धिजीवी मोहम्मद जफर इकबाल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। उन पर नरसंहार में लिप्त रहने का आरोप है। कुछ लोग समझ रहे हैं कि इसी रास्ते से बांग्लादेश नई शुरुआत की ओर बढ़ेगा। यूनुस सरकार जफर इकबाल की विरोधी है, क्योंकि वह रजाकार विरोधी हैं। वह बांग्लादेश के मुक्तियुद्ध के समर्थक हैं। इसी कारण उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ है। कट्टरवादी जो नया बांग्लादेश बना रहे हैं, उसे मैं जिहादिस्तान कहना ज्यादा पसंद करूंगी। उसी देश में मैं पैदा हुई थी, उसी देश में पली-बढ़ी। आज मुझे विश्वास ही नहीं होता। मेरा देश आज उग्र, असभ्य, कट्टर, हिंसक और बदला लेने पर उतारू देश बन गया है। मुझे नहीं लगता कि लाल कालीन बिछा देने पर भी कभी मैं वहां लौटना चाहूंगी।

विश्वव्यापी अस्थिरता के माहौल में परमाणु स्थिरता कैसे बने

मनीष तिवारी

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से रूस ने समय-समय पर इस तथ्य का संकेत दिया है कि परमाणु विकल्प अभी भी मौजूद है। 25 सितंबर 2024 को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी संघ की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को बताया कि अगर किसी देश द्वारा पारंपरिक हथियारों के साथ भी उस पर हमला किया जाता है, तो रूस परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि अगर मास्को को उसके खिलाफ मिसाइलों, विमानों या ड्रोन के बड़े पैमाने पर लॉन्च की शुरुआत के बारे में 'विश्वसनीय जानकारी' मिलती है, तो रूस परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार करेगा। रूसी राष्ट्रपति ने एक चेतावनी दी कि रूस पर किसी अन्य देश के हमले का समर्थन करने वाली परमाणु शक्ति को आक्रमण में सहयोगी माना जाएगा। यह नाटो नेतृत्व के लिए एक बहुत ही स्पष्ट चेतावनी थी क्योंकि वे यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों के उपयोग की अनुमति देने से कतराते हैं, जो रूसी क्षेत्र में गहराई तक घुसने की क्षमता रखते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के सामने मौजूद समकालीन सैन्य स्थिति को देखते हुए रूस के परमाणु रुख को बेहतर बनाना एक आवश्यक अनिवार्यता थी। 2020 में प्रकाशित रूसी परमाणु सिद्धांत में उनकी टिप्पणियों को जोड़ते हुए व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई कवरेज के अनुसार उन्होंने पुष्टि की कि हम देखते हैं कि आधुनिक सैन्य और राजनीतिक स्थिति गतिशील रूप से बदल रही है और हमें रूस और हमारे सहयोगियों के लिए सैन्य खतरों और जोखिमों के नए स्रोतों के उद्भव सहित इसे ध्यान में रखना चाहिए। रूस के परमाणु सिद्धांत की अंतिम पुनरावृत्ति का शीर्षक परमाणु निवारण पर रूसी संघ की राज्य नीति के मूल सिद्धांत हैं। मॉस्को अकेला ऐसा देश नहीं है जो अपनी परमाणु शक्ति को संशोधित कर रहा है। इसके साथ ही पश्चिमी रणनीतिक हलकों में इस बात पर बहस चल रही है कि क्या इसराईल ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा हाल ही में इसराईल पर किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के मद्देनजर अभी तक अघोषित ईरानी परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के लिए अपने राष्ट्रपति चुनाव में व्यस्त होने के कारण 'उपलब्ध' खिड़की का उपयोग कर रहा है। विदेश नीति में लिखते हुए, अटलांटिक काऊंसिल के स्कोक्रॉफ्ट सैंटर फॉर स्ट्रैटेजी एंड सिक्योरिटी के वरिष्ठ निदेशक मैथ्यू हेनरी क्रोनिग ने कहा कि वास्तव में, अब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने का एक आदर्श अवसर है। देश के पास बम बनाने के लिए एक से 2 सप्ताह का समय बचा है। कोई नया परमाणु समझौता नहीं है। वास्तव में, तेहरान को बम से बचाने का यह आखिरी सबसे अच्छा मौका हो सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या इसराईल को ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर हमला करना चाहिए और आप ईरान के बारे में क्या सोचते हैं, क्या आप ईरान पर हमला करेंगे? तब उन्होंने कहा कि जब तक वे परमाणु हथियार पर हमला नहीं करते, यही वह चीज है जिस पर आप हमला करना चाहते हैं? इसराईल निश्चित रूप से रणनीतिक चुप्पी बनाए रखता है क्योंकि वह अपने जवाबी विकल्पों पर विचार करता है। ईरान की परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना कम से कम कहने के लिए एक खतरनाक रास्ता है। इतनी आग और रोष के बावजूद रणनीतिक मामलों का कोई भी विवेकशील छात्र इस गलत धारणा के तहत नहीं रह सकता कि अगर इसराईल ईरान के मुकुट रत्नों पर हमला करता है तो 'अनियंत्रित और शायद बेकाबू' वृद्धि होगी। इसलिए सवाल यह है कि रणनीतिक अस्थिरता के इस दौर में परमाणु स्थिरता कैसे बनाए रखी जाए, जबकि 3 महाद्वीपों में एक साथ 3 संघर्ष चल रहे हैं- रूस बनाम यूक्रेन, इसराईल बनाम हमास/ हिजबुल्लाह/ हुती/अन्य प्रॉक्सी/और ईरान। उत्तर एशिया में अस्थिर उत्तर कोरियाई शासन 'एन' शब्द का बार-बार इस्तेमाल करता रहता है और चीन का शांतिपूर्ण उदय नहीं हो रहा है, जैसा कि उत्तर, दक्षिण पूर्व और दक्षिण एशिया में चिरस्थायी तनाव से स्पष्ट है। इसकी अपनी परमाणु गतिशीलता है।

केजीएफ 3 को लेकर यश ने साझा की अपडेट

दक्षिण भारतीय अभिनेता यश को प्रशांत नील द्वारा निर्देशित एक्शन हिट फिल्म 'केजीएफ' में अपने प्रदर्शन के लिए बहुत प्यार और सराहना मिली। प्रशंसक इस फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'केजीएफ 3' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक हालिया साक्षात्कार में, यश ने साझा किया कि 'केजीएफ 3' निश्चित रूप से बनेगी, जिसमें वह 'रॉकी भाई' की भूमिका में नजर आएंगे।

'केजीएफ 3' को लेकर कही ये बात

हाल ही में एक बातचीत में, यश ने पुष्टि की कि वह तीसरे भाग को बनाने के लिए प्रशांत के साथ चर्चा कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने खुलासा किया कि वह वर्तमान में गीतू मोहनदास की 'टॉक्सिक' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वादा करता हूं, हम इसके बारे में बात करते रहेंगे। हमारे पास एक आईडिया है। इसलिए इसे वास्तव में हमारे फोकस की आवश्यकता है।'

'केजीएफ 3' को बेहतर बनाने की कोशिश

रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने यह भी कहा निर्माता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि फिल्म प्रशंसकों और दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करे, क्योंकि चरित्र और फिल्म दोनों को बहुत प्यार मिला है। इस बार हम कुछ बड़ा लेकर आएंगे।
'केजीएफ : चैप्टर 2' भारत की सबसे सफल फिल्मों में से एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में एक चैट में, यश ने पुष्टि की कि वह रणबीर कपूर अभिनीत 'रामायण' में रावण की भूमिका निभाने को लेकर इच्छा जाहिर की है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।
'केजीएफ : चैप्टर 2' हिंदी क्षेत्र सहित भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म में अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में थीं।

नायरा बनर्जी आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार

'दिव्य दृष्टि' और 'जुबान संभालकर' जैसे टेलीविजन शो में काम कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री नायरा बनर्जी ने साझा किया कि उनके अपकमिंग शो में उनका किरदार उनसे काफी मिलता-जुलता है। नायरा बनर्जी तेलुगू, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में कई सफल शो देने के बाद अब अपने आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने शो में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की और कई खुलासे किए। शो रहस्यमय हत्याओं, रोंगटे खड़े कर देने वाले अपराधों और सस्पेंस से भरा है। शो में वह मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम नीलम है। उनका किरदार शो में पति शेखर के साथ घुटन भरे विवाह के बंधन में फंस जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि शेखर काफी रहस्यमयी व्यक्ति हैं। नाखुश शादी के इस जाल से बाहर आने का संघर्ष, उनका लचीलापन, ताकत और शक्ति ही शो का सार है। शो के बारे में बात करते हुए नायरा ने कहा 'मेरा मानना है कि यह शो अपने आप में बहुत अच्छी तरह से शूट किया गया है। आज की दुनिया में इस तरह की धोखाधड़ी हमारे समाज में बहुत आम है, लेकिन हम कभी-कभी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं या बात नहीं कर पाते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वास्तव में इस शो के किरदार ने मुझे इस भूमिका को जीवंत बनाने का मौका दिया। दर्शक देख सकते हैं कि शो हर एपिसोड के साथ अपने रहस्य को कैसे उजागर करता है। उन्होंने कहा 'हमें यह सुनिश्चित करने और सीन को सही तरह से करने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि परिणाम असाधारण रूप से शानदार रहे।' नायरा ने शो को फिल्माने के दौरान अपने सबसे कठिन शॉट को साझा करते हुए कहा 'मेरा मानना है कि एक रहस्य ड्रामा को फिल्माना अपनी अनूठी चुनौतियों के साथ आता है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रहस्यपूर्ण अनुभव बनाना हमारी जिम्मेदारी है। सबसे कठिन सीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि इनमें से सबसे कठिन हत्या का प्रयास वाला सीन था। शो में नायरा बनर्जी के साथ शालीन मल्होत्रा, रोहित खंडेलवाल और अरफीन अल्वी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

उर्मिला और मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर

बालीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर और उनके पति मोहसिन अख्तर का रिश्ता टूटने के कगार पर है। यह कपल शादी के आठ साल बाद तलाक लेने की योजना बना रहा है। तलाक की खबरों के बीच, उर्मिला मातोंडकर को 21 अक्टूबर को एक इवेंट में पहली बार पब्लिक प्लेस पर देखा गया। इस दौरान उन्होंने पर्पल लॉन्ग स्कर्ट पहनी थी, जिसे गोल्डन ब्लाउज और स्टडेड जैकेट के साथ स्टाइल किया था। उर्मिला इस मौके पर अपनी शादी की अंगूठी नहीं पहनने के लिए चर्चा में रही, लेकिन उन्होंने वहां मौजूद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। सूत्रों के अनुसार, उर्मिला ने लगभग पांच महीने पहले तलाक के लिए अर्जी दी थी। पिछले कुछ समय से, दोनों अलग रह रहे हैं और एक साथ नहीं रह रहे हैं। हालांकि, दोनों के अलग होने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि यह तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है। सूत्र ने कहा, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, उर्मिला ने मोहसिन अख्तर के साथ अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है। वह पहले ही कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। हालांकि, अलग होने के पीछे का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन यह म्यूच्युल नहीं है। उर्मिला मातोंडकर और मोहसिन अख्तर ने 3 मार्च, 2016 को शादी की थी, जो एक इंटर-फेथ मैरिज थी। उनकी शादी को हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था। बावजूद इसके, उर्मिला और मोहसिन ने अपने प्यार को साबित करते हुए अपनी शादी को बेहद सम्मान के साथ निभाया। हालांकि, इस समय दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया चल रही है, और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही वे इस पर कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी करेंगे। उर्मिला के फैंस इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक होगा।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' में शामिल हुईं वामिका गब्बी?

अक्षय कुमार ने अपने जन्मदिन पर हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को खुश किया। अभिनेता ने एक मोशन पोस्टर भी साझा किया जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभिनेत्री वामिका गब्बी फिल्म की टीम में शामिल हो गई हैं।

वामिका गिब्बी हुईं शामिल

फिल्म की नायिका के साथ साथ इसकी शूटिंग के बारे में भी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वामिका ने डिजिटल दुनिया में अपने काम से सभी को प्रभावित किया है और अब वह बेबी जॉन और भूत बंगला जैसी फिल्मों के साथ थिएटर मीडियम पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने डॉटेड लाइन्स साइन कर ली हैं और भूत बंगला में उनकी भूमिका दमदार है, जो सिनेमा देखने वाले दर्शकों के बीच हंसी का माहौल पैदा करेगी।'

फिल्म के कलाकार

दावा किया गया कि अक्षय और वामिका 'भूत बंगला' में एक अनोखी भूमिका में नजर आएंगे और इस बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी गई है। बताया गया है कि वामिका के अलावा फिल्म में दो और महिला कलाकार होंगी। यह हॉरर तत्वों से भरपूर एक कॉमिक कैपर है, जिसमें एक ही घर में तीन लड़कियां हैं। साथ ही परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे पागल कलाकारों की टोली भी है। भूत बंगला के लिए और कास्टिंग चल रही है।

फिल्म का पहला पोस्टर

9 सितंबर को अक्षय कुमार ने मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था, 'साल दर साल मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद। इस साल का जश्न 'भूत बंगला' के पहले लुक के साथ मना रहा हूं। मैं 14 साल बाद फिर से प्रियदर्शन के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। यह ड्रीम कोलेबोरेशन लंबे समय से आ रहा था। इस अविश्वसनीय यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। जादू के लिए बने रहें।' लुक में अक्षय कुमार दूध पीते हुए दिखाई दे रहे थे, जबकि एक काली बिल्ली उनके कंधे पर बैठी थी।

फिल्म की शूटिंग

इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें काला जादू होगा, जिसमें अक्षय तीन अभिनेत्रियां के साथ काम करेंगे। फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद, केरल के एक जंगल, श्रीलंका में शूट किया जाएगा। चर्चा यह भी है कि फिल्म में कियारा आडवाणी, कीर्ति सुरेश और आलिया भट्ट हो सकती हैं।

अनिल कपूर का एक फैसला बना चर्चा का विषय

हाल ही में अभिनेता अनिल कपूर को एक पान मसाला के विज्ञापन के लिए 10 करोड़ रुपये का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। उनका यह फैसला उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना दिया है। जानकारी के अनुसार, अनिल कपूर ने इस विज्ञापन को अस्वीकार करने का निर्णय अपने फैंस और दर्शकों की सेहत को ध्यान में रखते हुए लिया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे उत्पादों का प्रमोशन नहीं करना चाहते हैं, जो उनके दर्शकों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अनिल कपूर ने हमेशा एक हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा दिया है और उनकी प्राथमिकता अपने फैंस के स्वास्थ्य की सुरक्षा है। अनिल कपूर के इस निर्णय ने उन्हें और भी ज्यादा सम्मानित बना दिया है। उनके फैंस उन्हें सराह रहे हैं और उनकी सोच को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। अनिल कपूर का यह कदम यह दर्शाता है कि वे पैसों से ज्यादा अपने सिद्धांतों को महत्व देते हैं।

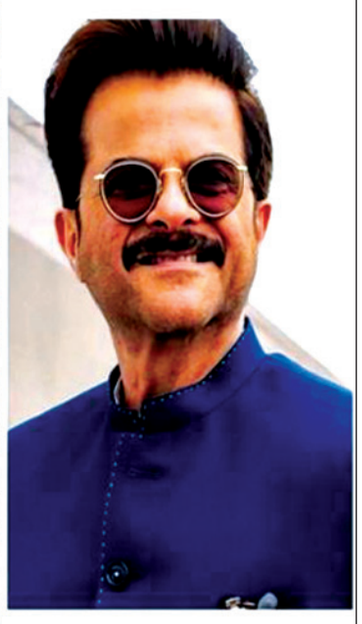

यह बात न केवल अनिल कपूर के फैंस के लिए, बल्कि उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है जो अपने स्वास्थ्य और जीवनशैली को लेकर लापरवाह हैं। इसी क्रम में, आर माधवन का नाम भी चर्चा में आया है। उन्होंने इसी साल अगस्त में एक पान मसाला ब्रांड के लिए एंबेसडर बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। माधवन ने अपने फैंस के प्रति ईमानदारी बरतते हुए इस ऑफर को अस्वीकार किया, जो उनकी जिम्मेदारी को दर्शाता है। अनिल कपूर और आर माधवन के इस कदम से यह स्पष्ट होता है कि बॉलीवुड में कुछ सितारे अपने दर्शकों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं। उनका यह निर्णय एक सकारात्मक संदेश है, जो अन्य सितारों को भी प्रेरित कर सकता है।

कार्तिक आर्यन ने फिल्मी सफर को लेकर किए कई खुलासे

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में कार्तिक रूब बाबा के किरदार में नजर आएंगे। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान कार्तिक ने बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी ने भी उन्हें कभी 500 करोड़ रुपये कमाने वाला निर्देशक नहीं दिया, लेकिन वह इससे संतुष्ट हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कही खास बातें

अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी काबिलियत साबित की है। हाल ही में, कार्तिक ने अपने फिल्मी सफर पर खुलासा किया कि उन्हें कुछ भी नहीं दिया गया और उन्हें अपना रास्ता खुद बनाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझे 500 करोड़ रुपये का निर्देशक नहीं दिलाया, क्योंकि उन्होंने डेब्यू डायरेक्टर्स के साथ काम किया है।'

क्या कभी फिल्मों को लेकर बनाया गया दबाव?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब कार्तिक से पूछा गया कि क्या कभी उनपर स्त्री 2 और एनिमल के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और सफलता को लेकर उनके ऊपर दबाव बनाया गया। इस पर कार्तिक ने कहा, 'इसके पीछे पूरी मैथ है, जैसे कि टीम क्या है, उनकी पिछली फिल्म कौन सी थी, उनकी अगली फिल्म कौन सी है, दर्शक किसे देखने आ रहे हैं? क्या यह साल की सबसे बड़ी तारीख है, क्या इस दौड़ में कई छुट्टियां हैं? कई तरह के कैलकुलेशन हैं, जिन पर आप और साथ ही इंडस्ट्री भी गौर कर रही है, जब ये चीजें अच्छी तरह से कैलकुलेट हो जाती हैं, तो आप पर इसका दबाव नहीं होता।'

उन्हें अपने अवसर खुद बनाने पड़े

अपने करियर के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने बताया कि उन्हें कभी भी थाली में परोसी गई कोई चीज नहीं मिली। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने अवसर खुद बनाने पड़े और बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तो उन्हें 500 करोड़ रुपये की फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक के साथ काम करने का फायदा नहीं मिला। इसके बजाय उन्होंने डेब्यू डायरेक्टर्स के साथ काम किया था।

मैंने किया है डेब्यू निर्देशकों के साथ काम

कार्तिक ने कहा, 'मेरे सफर में, मुझे कभी भी कुछ नहीं मिला। मुझे खुद सबकुछ संभालना पड़ा, कोई भी मेरे पास ऑफर लेकर नहीं आया, जब मैंने शुरुआत की थी, तो किसी ने मुझे 500 करोड़ रुपये का निर्देशक नहीं दिया, मैंने सभी डेब्यू निर्देशकों के साथ काम किया।'

भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे

कार्तिक ने माना कि वह बहुत भाग्यशाली नहीं रहे हैं, लेकिन उन्हें पता है कि उनके विकास की संभावना कहां है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह किसी से कोई तुलना या शिकायत नहीं कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने कहा कि वे अपनी आने वाली स्थिति से संतुष्ट हैं। कार्तिक ने बताया कि जब वह पहली बार मुंबई शहर में आए थे, तो उन्हें लगभग कुछ नहीं माना जाता था, लेकिन अब उन्हें पूरे देश में पहचान मिली, जिसे वह आभारी मानते हैं। काम के मोर्चे की बात करें तो कार्तिक जल्द ही इस दिवाली पर भूल भुलैया 3 में तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ हॉरर-कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों के लिए लिखी चिट्ठी

नईदिल्ली। कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के लोगों को वायनाड के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों शीर्षक से एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के साथ अपने गहरे जुड़ाव और एक जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। अपने भावपूर्ण पत्र में, प्रियंका ने अपने भाई राहुल गांधी के साथ चूरामाला और मुंडक्कई के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से अपने अवलोकन साझा किए और त्रासदी के सामने समुदाय द्वारा प्रदर्शित शक्ति और एकता के बारे में बात की। अपने पत्र में प्रियंका गांधी ने भूस्खलन से हुई तबाही और लोगों को हुए भारी नुकसान पर विचार किया। उन्होंने आपदा के बाद एकजुट होने के लिए निवासियों की सराहना की, उनकी एकजुटता, करुणा और लचीलेपन को नोट किया। वायनाड के साथ अपने भाई के करीबी रिश्ते का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब राहुल गांधी ने उनसे इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए कहा तो उन्हें गर्व और दुख महसूस हुआ।

शिवसेना-यूबीटी ने किया 15 प्रत्याशियों के नाम का एलान

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना-यूबीटी ने अपनी दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 15 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया है। शिवसेना की दूसरी लिस्ट में भायखला से मनोज जामसुतकर को टिकट दिया गया है। वहीं, शिवडी से अजय चौधरी चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा, संदेश पारकर कणकवली सीट से तो वडाला से श्रद्धा जाधव चुनाव लड़ रही हैं। इससे पहले शिवसेना उद्धव गुट की तरफ से प्रत्याशियों की पहली सूची में कुल 65 उम्मीदवारों के नाम जारी किए गए हैं। इस सूची में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को वर्ली से प्रत्याशी बनाया गया है। पहली सूची में शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत के भाई और विक्रोली से मौजूदा पार्टी के विधायक सुनील राउत को फिर से विक्रोली से ही प्रत्याशी बनाया था।

महाराष्ट्र के लिए भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

नईदिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ने लगा है। भाजपा ने शनिवार को अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट का ऐलान कर दिया है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। ये सभी दिग्गज विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करेंगे। इस लिस्ट में केंद्रीय मंत्रियों के बाद भाजपा शासित आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों का नाम है। इसमें सबसे ऊपर योगी आदित्यनाथ का नाम है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम 15वें नंबर पर है। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शीर्ष 15 में महाराष्ट्र के सिर्फ दो ही नेता हैं। नितिन गडकरी का नाम पांचवें और देवेंद्र फडणवीस का नाम 15वें नंबर पर है।

असम की पांच सीटों पर 38 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

नई दिल्ली। असम में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। इन सीटों पर कुल 38 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के आखिरी दिन ही 24 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। असम में जिन सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें बेहली, धोलाई, सामागुरी, बोंगाइगांव और सिदली शामिल हैं। उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि धोलाई सीट पर तीन उम्मीदवारों ने नामांकन किया। सिदली सीट पर एक, बोंगाइगांव से पांच, सामागुरी से 12 और बेहली सीट से तीन उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की है। सत्ताधारी भाजपा ने बेहली, सामागुरी और धोलाई सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं बोंगाइगांव सीट पर सहयोगी पार्टी असम गण परिषद और सिदली सीट यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल के उम्मीदवारों को मौका दिया गया है। कांग्रेस ने ने सभी पांचों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

अस्पताल में भर्ती हुए दिल्ली भाजपा चीफ वीरेंद्र सचदेवा

नईदिल्ली। यमुना नदी के अत्यधिक प्रदूषित पानी में डुबकी लगाने के करीब दो दिन बाद, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को सांस लेने में कठिनाई और त्वचा पर चकत्ते की शिकायत के बाद शनिवार को राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले, आरएमएल अस्पताल के डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उन्हें तीन दिनों की दवा दी थी। भाजपा नेता ने गुरुवार को यमुना के प्रदूषित पानी में डुबकी लगाई और 2025 तक इसे साफ करने के अपने वादे को पूरा करने में विफलता के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आलोचना की। भाजपा ने लोगों को यमुना की दुर्दशा दिखाने और उन्हें 2021 में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए वादे की याद दिलाने के लिए आईटीओ छठ घाट पर आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री आतिशी और उनके पूर्ववर्ती केजरीवाल के लिए लाल कालीन बिछाने के साथ-साथ दो कुर्सियाँ रखी गईं लेकिन वे नहीं आए।

महाराष्ट्र में आज उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करेगी भाजपा

आठ सीट पर चर्चा कर रहे महायुति सहयोगी : बावनकुले

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति के तीनों के सहयोगियों के बीच विधानसभा चुनावों के लिए 7-8 सीटों पर बातचीत जारी है। बावनकुले ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा कल दूसरी सूची जारी करेगी। राज्य की 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को चुनाव होंगे और मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुके हैं। जबकि अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर चुकी है।

बावनकुले ने कहा, अभी भी सात से आठ सीटों पर चर्चा चल रही है। हम बड़े भाई और छोटे भाई सभी को साथ लेकर एक परिवार की तरह मिलकर चुनाव लड़ रहे है। भाजपा की दूसरी सूची कल जारी होगी। हम एक संयुक्त घोषणापत्र भी जारी करेंगे।

इसके साथ ही, बावनकुल ने विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के 90-90 सीटों पर चुनाव लड़ने के फॉर्मूल का मजाक उड़ाया। उन्होंने दावा करते हुए कहा, हमने सुना है कि (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी ने सीट बंटवारे में गड़बड़ी करने पर राज्य के नेताओं को हटा दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि एमवीए के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है। जबकि महायुति गठबंधन विकास के लिए एक मजबूत दृष्टिकोण लेकर आया है। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन विकास के बजाय इस बात पर चर्चा करता है कि मुख्यमंत्री कौन होगा और मंत्री पद किसे मिलेगा। महाविकास अघाड़ी का फर्जी नैरेटिव अब काम नहीं करेगा। बावनकुले ने कहा कि उद्धव ठाकरे का दोबारा मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा नहीं होगा, क्योंकि उनके सहयोगी उनकी इस इच्छा का समर्थन नहीं करते हैं।

एनसीपी शरद गुट ने जारी की 22 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी शरद गुट ने दूसरी सूची जारी कर दी है। दूसरी सूची में 22 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया है। बीड से संदीप क्षीरसागर, नासिक पूर्व से गणेश गीते और पिंपरी से सुलक्षणा शीलवंत को टिकट दिया गया है। एनसीपी शरद के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि अब तक दो सूची में 67 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। सभी उम्मीदवार अपने क्षेत्र से जीत हासिल करेंगे।

जयंत पाटिल ने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे, इसमें कांटेंगे वाले शब्द का क्या मतलब है? महाराष्ट्र में न तो लोग बंटेंगे और कटेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को पता है कि क्या काटना है? हम किसी को कटने और बंटने नहीं देंगे। महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे के मुद्दे पर जयंत पाटिल ने कहा कि अब कोई बैठक नहीं होनी है। सभी चर्चाएं फोन पर हो रहीं हैं। कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी सभी 90 सीटों पर लड़ रही हैं। किसी की दो-तीन सीट ज्यादा और कम हो सकती हैं। बता दें कि एनसीपी से इससे पहले 24 अक्तूबर को पहली सूची जारी की थी। इसमें 45 उम्मीदवारों के नाम थे।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए जारी की दूसरी लिस्ट

23 प्रत्याशियों के नामों का एलान

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने भी अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। इसमें 23 प्रत्याशियों के नाम का एलान किया गया है। इससे पहले कांग्रेस ने गुरुवार को महाराष्ट्र चुनावों के लिए अपनी पहली लिस्ट में 48 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया था। अब दूसरी लिस्ट में 23 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। इस तरह कांग्रेस ने महाराष्ट्र के लिए कुल 71 उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया है। दूसरी लिस्ट के अनुसार, कांग्रेस ने जलगांव (जमोद) से स्वाति संदीप वाकेकर और भुसावल सीट से डॉ. राजेश तुकाराम मनवंतकार को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

कांग्रेस की दूसरी सूची में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है और सिर्फ जालना सीट पर ही मौजूदा विधायक कैलाश गोरंट्याल को मौका दिया गया है। इस सूची में तीन महिला उम्मीदवारों का नाम है। दूसरी सूची में 23 सीटों में से कई सीटें विदर्भ क्षेत्र की हैं। नागपुर दक्षिण सीट कांग्रेस के खाते में गई है। इस सीट से गिरीश पांडव को पार्टी ने टिकट दिया है। कांग्रेस नेता सुनील केदार की पत्नी अनुजा को नागपुर जिले की सावनेर सीट से चुनाव मैदान में उतरा गया है। सुनील केदार को एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उन्हें विधायक पद से हटना पड़ा था। उनकी अपील अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पूर्व मंत्री वसंत पुरके अपनी पारंपरिक रालेगांव सीट से चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस ने मुंबई की तीन सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा की है। कालू बधेलिया कांदिवली ईस्ट से चुनाव लड़ेंगे जहां उनका मुकाबला भाजपा के अतुल भातखलकर से होगा, यशवंत सिंह चारकोप से भाजपा के योगेश सागर से और गणेश यादव सायन कोलीवाड़ा से भाजपा के तमिल सेल्वन से मुकाबला करेंगे। वरिष्ठ पार्टी नेता शिवाजीराव मोघे के बेटे जितेन्द्र अरणी (एसटी) सीट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं शेखर शेंडे वर्धा से चुनाव लड़ेंगे। भंडारा से पूजा गणेश थावकर, यवतमाल से अनिल बालासाहेब मुंगालकर को टिकट दिया है। जालना से कैलाश किशनराव, वसई से विजय गोविंद पाटिल को उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले के खिलाफ नागपुर जिले के कामठी सीट से यादवराव भोयर को टिकट दिया है।

पहली लिस्ट में मौजूदा विधायकों की रही थी प्रमुखता

कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में 25 मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा है। 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी और राकांपा एसपी के साथ मिलकर महा विकास अघाड़ी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से तीनों पार्टियों ने 85-85-85 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। वहीं कुछ सीटों पर अभी सहमति बननी बाकी है। 18 सीटें अन्य सहयोगी दलों सपा, सीपीआईएम आदि को देने की बात कही गई है। कांग्रेस पार्टी ने अपनी पहली सूची में, पूर्व मंत्री नितिन राउत और बालासाहेब थोराट को क्रमशः नागपुर उत्तर और संगमनेर से, ज्योति एकनाथ गायकवाड़ को धारावी से, अमित देशमुख को लातूर शहर से और धीरज देशमुख को लातूर ग्रामीण से मैदान में उतारा है।

महाराष्ट्र में चुनाव नहीं लड़ेगी आप

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल महाराष्ट्र में इंडिया ब्लॉक उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। केजरीवाल उन विधानसभा सीटों पर प्रचार करेंगे जहां आप का स्वयंसेवक आधार है और जहां एमवीए उम्मीदवारों की कोई विवादास्पद पृष्ठभूमि नहीं है। आम आदमी पार्टी महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। इसके बजाय, पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के लिए प्रचार करेंगे, आप नेता संजय सिंह ने शनिवार को कहा। एमवीए गठबंधन में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की एनसीपी-एसपी और कांग्रेस शामिल हैं।

राज्यसभा सांसद सिंह ने एक्सक्लूसिव बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एमवीए उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। आम आदमी पार्टी महाराष्ट्र में चुनाव नहीं लड़ेगी। आप और एमवीए घटक भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) का हिस्सा हैं, जिसका गठन 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा से मुकाबला करने के लिए किया गया था। आप ने लोकसभा चुनावों के लिए दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में इंडिया ब्लॉक के सबसे बड़े घटक कांग्रेस के साथ गठबंधन किया।

हालांकि, इसने पंजाब में अपने दम पर चुनाव लड़ा। इसने हरियाणा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा और अपना खाता खोलने में विफल रही। कांग्रेस महाराष्ट्र में एमवीए का घटक और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा भी है। इससे पहले पार्टी सूत्रों ने कहा था, शिवसेना-यूबीटी और एनसीपी-एसपी ने महाराष्ट्र में प्रचार करने के लिए अरविंद केजरीवाल के लिए आम आदमी पार्टी से संपर्क किया है। केजरीवाल उन विधानसभा सीटों पर प्रचार कर सकते हैं, जहां आप का स्वयंसेवक आधार है और जहां एमवीए उम्मीदवारों की कोई विवादास्पद पृष्ठभूमि नहीं है। केजरीवाल के अलावा, आप के अन्य वरिष्ठ नेता भी एमवीए उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत ने गंवाई सीरीज

पुणे। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 113 से हार गई, जिससे मेहमान टीम ने 3 टेस्ट मैच की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड ने 69 वर्षों में भारत में टेस्ट श्रृंखला जीती है, इससे पहले उसने 1955 में भारत में टेस्ट मैच खेला था। न्यूजीलैंड की 2-0 की श्रृंखला जीत ने भारत के घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 12 साल के अपराजित अभियान को भी समाप्त कर दिया।

भारत को घर पर आखिरी बार टेस्ट सीरीज में हार का सामना दिसंबर 2012 में एलिस्टेयर कुक की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम से करना पड़ा था, जब मेहमान टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। तब से भारत ने घर पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीती हैं। 2012 में इंग्लैंड से हार के बाद से टीम इंडिया ने शनिवार (26 अक्टूबर 2024) को समाप्त होने तक घर पर टेस्ट सीरीज में 4331 दिन तक अजेय रहने का आनंद लिया।

घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में भारत का दबदबा खेल के इतिहास में अभूतपूर्व है, घरेलू मैदान पर लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीतने का दूसरा सबसे बेहतरीन सिलसिला ऑस्ट्रेलिया के नाम है। ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 1994 से नवंबर 2000 और जुलाई 2004 से नवंबर 2008 के बीच दो बार घरेलू मैदान पर लगातार 10 टेस्ट जीते हैं। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड क्रमशः घरेलू मैदान पर आठ टेस्ट सीरीज जीतकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255/10 रन का स्कोर खड़ा कर भारतीय टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया था। जवाब में टीम इंडिया की पूरी टीम 245 रन ही बना सकी। कीवी स्पिन गेंदबाज ने 6 विकेट अपने नाम किए। जबकि एजाज पटेल ने तीन और ग्लेन फ्लिप्स को एक सफलता मिली।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

कंपनियों के लिए आईटीआर फाइल करने की समय बढ़ी

नईदिल्ली। आयकर विभाग ने कॉरपोरेट्स के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की समय सीमा बढ़ा दी है। विभाग ने शनिवार को असेसमेंट वर्ष 2024-25 के लिए कॉरपोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एक सर्कुलर में कहा कि समय सीमा 31 अक्टूबर की पिछली लक्ष्य तिथि से बढ़ाई जाएगी। आकलन वर्ष 2024-25 (वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कर रिटर्न प्रस्तुत करने के लिए) के लिए नई समय सीमा 15 नवंबर है। नांगिया एंडरसन एलएलपी टैक्स पार्टनर संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि यह विस्तार टैक्स ऑडिट रिपोर्ट, फॉर्म 3सीईबी में ट्रांसफर प्राइसिंग सर्टिफिकेशन और फॉर्म 10डीए जैसे अन्य आयकर फॉर्म पर लागू नहीं होगा, जिसके लिए समय सीमा 31 अक्टूबर, 2024 रहेगी।

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी एनवीडिया

नईदिल्ली। चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया ने एप्पल को पछाड़कर दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी का खिताब अपने नाम कर लिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स की मजबूत मांग से संचालित रिकॉर्ड स्टॉक रैली के बाद एनवीडिया का मार्केट कैप बढ़कर 3.53 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। यह एप्पल के मार्केट कैप 3.52 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा ज्यादा है। चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी के शेयरों में शुक्रवार यानी 25 अक्टूबर को लगभग तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि एप्पल के शेयरों में 0.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे आईफोन निर्माता का मार्केट कैप 3.54 ट्रिलियन डॉलर हो गया। जून में माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के आगे निकलने से पहले एनवीडिया कुछ समय के लिए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई।

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग अप्रैल-सितंबर में 66% बढ़ी

नईदिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग मजबूत आवास मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 66 प्रतिशत बढ़कर 7,094 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी अवधि में इसकी बिक्री बुकिंग 4,268 करोड़ रुपये थी। कंपनी पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के कारण अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान बिक्री बुकिंग में वृद्धि हासिल करने में सक्षम रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान डीएलएफ की बिक्री बुकिंग तीन गुना होकर लगभग 6,400 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 2,040 करोड़ रुपये थी। हालांकि, 2024-25 की दूसरी तिमाही में बिक्री बुकिंग 69 फीसदी घटकर 692 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि की 2,228 करोड़ रुपये थी। निवेशकों को डीएलएफ ने बताया कि नए उत्पाद पेश के लिए अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने में देरी के कारण बिक्री में कमी आई है।

विदेशों में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में गौतम अडानी

नई दिल्ली। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी विदेशों में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने शनिवार को घोषणा की कि उसने यूएई में सेलेरिटास इंटरनेशनल FZCO नाम से एक नई यूनिट बनाई है। 100,000 दिरहम की अधिकृत और चुकता शेयर पूंजी के साथ सेलेरिटास जेबेल अली फ्री जोन में परिचालन करने के लिए तैयार है। हालांकि कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इसने अभी तक व्यावसायिक गतिविधियां शुरू नहीं की हैं। सेलेरिटास में अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स की 74% हिस्सेदारी है और इस अधिग्रहण में कोई रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन शामिल नहीं है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लिए मौके

डॉ जयंती लाल भण्डारी

हाल ही में लाओस के विएंतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। इसी तरह हाल ही में वर्ल्ड बैंक के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्तूबर 2024 में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घटकर 4.0 फीसदी होगी। जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसदी से अधिक रहेगी। वस्तुतः भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढ़ने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया वैश्विक संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नए अवसरों का आधार है।

गौरतलब है कि विगत 4 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडाप्शन के मामले में पहले क्रम पर है। इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है।

स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। यद्यपि इस समय पश्चिम

एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास और तेज विकास के मद्देनजर देसी उद्यमियों के साथ वैश्विक उद्यमियों के लिए भी बढ़ते अवसरों का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में दुनिया की ख्यातिप्राप्त वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि सितंबर 2024 के दौरान भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए खुद को निवेश की पसंदीदा जगह बना लिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी नई रिपोर्ट 2024 में कहा है कि भारत आर्थिक विकास, विदेशी निवेश और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश है।

अमेरिका चेंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में अमेरिका की कंपनियों की वैश्विक निवेश पसंदगी में भारत का दूसरा स्थान है। इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में इस समय चीन में कार्यरत 12 लाख करोड़ रुपए निवेश वाली 50 अमेरिकी कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं।

इन कंपनियों में से 15 कंपनियां भारत में निवेश की तैयारी कर रही हैं। हम उम्मीद करें कि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट के दौर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

साथ ही आर्थिक विकास के रणनीतिक प्रयासों से भारत में विकास का अध्याय आगे बढ़ता जाएगा। रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। इससे देश 2027 में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 में विकसित भारत बनने की डगर पर आगे बढ़ेगा।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का मुयमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु शनिवार को नवा रायपुर सेक्टर 24 स्थित नवीन मुख्यमंत्री निवास पहुंची। उनके यहां पहुंचने पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय सहित परिजनों ने परंपरागत रूप से उनका आत्मीय स्वागत किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मुख्यमंत्री के परिवारजनों से आत्मीय मुलाकात की। राष्ट्रपति ने सबके साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई। श्रीमती मुर्मु ने बच्चों को आशीष दिया और राष्ट्रपति भवन की पुस्तक और चॉकलेट उपहार स्वरूप दिए। गौरतलब है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के सम्मान में मुख्यमंत्री साय ने अपने निवास में भोज का आयोजन किया था।

मुख्यमंत्री ने भेंट किया छायाचित्र का एल्बम- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उनके दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान की विभिन्न अवसरों पर ली गई छायाचित्र का एल्बम नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में भेंट किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय डिजिटल का है और फोटो डिजिटल रूप में तुरंत मिल जाती हैं। लेकिन आपने इतने सीमित समय में इसका एल्बम तैयार कर मुझे दिया है। आपने इस फोटो एल्बम के माध्यम से मेरे छत्तीसगढ़ प्रवास को चिरस्मरणीय बना दिया है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के बाद आज शाम विशेष विमान से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अशोक जुनेजा ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

छत्तीसगढ़ में गोल्फ खेलों का अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर: ओपी चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों की शानदार अधोसंरचना तैयार हो रही है और राष्ट्रीय स्तर के खेलों का आयोजन लगातार कर रहे हैं। परंपरागत खेलों के साथ ही गोल्फ जैसे खेलों के आयोजन से छत्तीसगढ़ को खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान मिली है। यह बात नेशनल गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित गोल्फ खेल प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में वित्त और आवास मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कही। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के लोग अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। इनकी प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार द्वारा इन्हें लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की अपार संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ खनिज, वन, उद्योग आदि क्षेत्रों में विकसित राज्य है। नवा रायपुर को प्रदूषण मुक्त शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। नवा रायपुर में पानी की उपलब्धता भरपूर है। यहां पर पीपल फॉर प्यूपिल का कैंपेन चलाकर पर्यावरण को स्वस्थ्य बनाने की दिशा में कारगर कदम उठाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में गोल्फ के खेल के संभावनाओं को बढ़ाने के लिये

यह आयोजन मील का पत्थर साबित होगा। नवा रायपुर में गोल्फ खेल के लिए 200 एकड़ का क्षेत्र सुरक्षित है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, एन.आर.डी.ए. के सीईओ श्री सौरभ कुमार सहित सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे ।ं गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री जक्सय साह ने कहा कि गोल्फ में धैर्य और एकाग्रता की जरूरत होती है। इस खेल को छत्तीसगढ़ के गांव-गांव तक ले जाएं, इस खेल को बढ़ावा देने की जरूरत है।

नेशनल गोल्फ फेडरेशन के संस्थापक एवं महासचिव श्री आर्यवीर आर्य ने कहा कि गोल्फ के प्रति उत्साह ने सिद्ध कर दिया कि गोल्फ को छत्तीसगढ़ में बढ़ावा दिया जा सकता है। खेल के इस आयोजन में सरकार ने मदद दी।

छीसगढ़ राज्य निर्माण भाजपा ने किया और विकास भजपा की सरकार ही कर रही हैः साय

रायपुर दक्षिण की सीट बड़ी मार्जिन से भाजपा की झोली में डालेंगे : बृजमोहन अग्रवाल

एक जेल में एक बेल में और एक महापौर बनाकर राजनीति के खेल मेंः अजय चंद्राकर

मैं एक जनसेवक के रूप में सदैव जनता की सेवा करता रहूंगाः सुनील सोनी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी रायपुर दक्षिण में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में इतिहास रचने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी के परिप्रेक्ष्य में आज रायपुर दक्षिण विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक अजय चंद्राकर, शिवरतन शर्मा सहित सभी भाजपा पदाधिकारियों ने भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी के विशाल जीत के लिए जनता से आशीर्वाद मांगा।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि देवतुल्य कार्यकर्ता अपने कर्तव्य से कठोर परिश्रम से और पूरी निष्ठा से चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को जिताने के लिए जुट गए है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण भाजपा ने किया और राज्य का विकास भजपा की सरकार ही कर रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने 2018 में जनता से झूठे वादे करके सरकार बनाई और पिछले पांच वर्ष कांग्रेस ने सिर्फ लूटने का कार्य किया। कांग्रेस छत्तीसगढ़ के जनता के जेब से पैसा निकालने का कार्य करती रही। वहीं भाजपा की सरकार बनते ही हमारी सरकार ने जनता के जेब में पैसा डालने का काम किया है। त्यौहार के पहले देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने महतारी वंदन का पैसा प्रदेश की बहनों के खाते में पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर घर में मोदी जी और भाजपा की योजनाओं का लाभ पहुंचा है। सभी परिवारों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आप भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी जी के लिए कमल का बटन दबाये आपको एक नहीं दो विधायक मिलेंगे। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आप सभी दक्षिण की जनता ने मुझे सदैव अभूतपूर्व प्रेम और स्नेह दिया। जिसकी बदौलत मैं लगातार दक्षिण विधानसभा बढ़ती मार्जिन से जीतते आया हूं और गत विधानसभा चुनाव में दक्षिण की जनता ने इतना अधिक स्नेह दिया की पूरे प्रदेश में सबसे अधिक मार्जिन से जितने वाली विधानसभा दक्षिण विधानसभा रही। लोकसभा चुनाव में जब भारतीय जनता पार्टी ने मुझे संसदीय क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी तो आप सभी ने इस प्रेम को और बढ़ाया और लोकसभा चुनाव में दक्षिण से ही मुझे 90 हजार से अधिक मतों से बढ़त हासिल दिलाई। हमारे समक्ष प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय उपस्थित हैं और आज आप सभी उन्हें एक वादा कीजिए की पुनः रायपुर दक्षिण की सीट बड़ी मार्जिन से भाजपा की झोली में डालेंगे और अपने प्रत्याशी सुनील सोनी को विधानसभा में दक्षिण का नेतृत्व करने पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर दक्षिण के बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद कमल का बटन दबाकर कमल खिलाकर सुनील सोनी को जिताने को कार्य करना है।

मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि रायपुर दक्षिण से लगातार आठ बार जीतने वाले बृजमोहन अग्रवाल के बारे में सवाल उठाकर भूपेश बघेल अपनी जगहसाई करवाते हैं। राजनीति से लेकर महापौर, सांसद, विधानसभा प्रत्याशी तक के जीवन काल में रायपुर के विकास की भूमि तैयार करने वाले सुनील सोनी है। वर्तमान महापौर जिसके एक भाई जेल में और एक भाई बेल में है को संरक्षण देकर भूपेश बघेल कांग्रेस की मानसिकता उजागर करते हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनते ही प्रदेश का विकास पूरी तरह से ठप्प हो गया था यदि दुबारा पुनर्विकास की योजनाएं शुरू हुई तो वह भाजपा सरकार में हुई, उसके पीछे की नीव सुनील सोनी है। उन्होंने कहा कि भूपेश की तत्कालीन कांग्रेस सरकार का राजधानी रायपुर के विकास के लिए एक नई ईंट तक जोड़ने में कोई योगदान 5 वर्ष में नही रहा। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत यातायात सुधारने इंट्रीगेटर ट्रैफिक सिस्टम 2 साल में बनना था मगर उसमें कोई काम नहीं हुआ काम होगा भी कैसे एक जेल में एक बेल में और एक महापौर बनाकर राजनीति के खेल में। रायपुर कांग्रेस का महापौर लुटेरा है और उसे ऐसी लूट में किसी का संरक्षण प्राप्त रहा है तो वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का। आप सभी को यहां से संकल्प लेकर जाना है कि रायपुर दक्षिण की अभेद्य सीट पर भारी मतांतर का कीर्तिमान बराकर रहेगा।

भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने कहा कि आज कार्यकर्ताओं एवं जनता की विशाल भीड़ ने एक बार फिर बता किया कि रायपुर दक्षिण में फिर से कमल खिलने वाला है। उन्होंने भारी संख्या में आए लोगों से जीत का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसा दल का सदस्य हु जो जन सेवा को ही प्रभु सेवा मानकर कार्य करती है। भाजपा ने मुझे लगातार जनता की सेवा करने का मौका दिया। कभी महापौर बनाकर तो कभी सभापति बनाकर। पार्टी ने मुझे 2019 में सांसद प्रत्याशी बनाया और आप सभी ने अपने आशीर्वाद से मुझे एक बार फिर सेवा करने का मौका दिया और मैंने रायपुर के विकास के कार्य की निरंतरता को बनाए रखा। पार्टी ने मुझे एक बार फिर आपकी सेवा करने का मौका दिया है और मैं पुनः आपकी सेवा में सदैव तत्पर रहूंगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुनील सोनी के लिए रायपुर दक्षिण में चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यालय उद्घाटन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी वरिष्ठ नेता विधायक धरमलाल कौशिक जी महामंत्री संजय श्रीवास्तव जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, शिवरतन शर्मा, भाजपा प्रवक्ता एवं विधायक अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, मोहन एंटी, जयंती पटेल, भाजपा मीडिया सहप्रभारी अनुराग अग्रवाल, सत्यम दुवा, सुभाष तिवारी, मुकेश शर्मा, मीनल चौबे मृत्युंजय दुबे सालिक ठाकुर प्रवीण देवड़ा महेश शर्मा छगन मूंदड़ा अकबर अली सरिता दुबे सरिता वर्मा अमित साहू केदार गुप्ता मनीष चंद्राकर हरशिला रूपाली नासिर खान सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

दीपक बैज का बयान विष्णु के सुशासन पर मुहरः संजय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई मुठभेड़ों को कभी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुर में सुर मिलाकर फर्जी बताने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आखिरकार सन् 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे को लेकर यह तो स्वीकार कर ही लिया है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार आने के बाद टारगेटेड एनकाउंटर हुए हैं और टारगेटेड एनकांटर में कोई आपत्ति नहीं है, बस्तर में शांति लौटनी चाहिए। श्रीवास्तव ने कहा कि नक्सल मोर्चे पर बैज ने मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान की तारीफ की है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और प्रदेश सरकार के रणनीतिक सूझबूझ से नक्सलियों को उनकी मांद में घुसकर जवान मार रहे हैं, जो एक ऐतिहासिक सफलता है। हाल ही नई दिल्ली में नक्सल पीड़ित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति की तारीफ की थी। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले नौ महीनों में 194 से अधिक माओवादी मारे गए हैं।

छत्तीसगढ महावि. में एक दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन

रायपुर। शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ महाविद्यालय के इतिहास परिषद द्वारा एक दिवसीय व्याख्यानमाला को आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमिताभ बनर्जी ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी महाविद्यालय के विकास में हमेशा सकारात्मक भूमिका अदा करेंगे और महाविद्यालय का नाम रोषन करेंगें। व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. डी. एस. जगत और संयुक्त संचालक जनसंपर्क श्री धनंजय राठौर थे। डॉ. डी. एस. जगत ने छत्तीसगढ राज्य के निर्माण किस तरह से हुआ और कैसे कैसे प्रयास किए गए। उन्होने छत्तीसगढ राज्य की स्थापना हेतु जनआकाक्षाओं को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि इसके लिए अत्यंत व्यवस्थित आंदोलन जनता ने किया। उन्होंने बताया कि 2 नवंबर 1861 को मध्य प्रांत का गठन हआ, इसकी राजधानी नागपुर थी। मध्यप्रांत में छत्तीसगढ़ एक जिला था।

रायपुर दक्षिण सीट पर आप ने नहीं उतारा प्रत्याशी

रायपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली मुख्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक रखी गयी थी जिसमें मंथन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ में सांप्रदायिक ताकतों को रोकने के लिए इंडिया गठबंधन एकजुटता से मुकाबला करेगा। इस वजह से रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। इंडिया गठबंधन की विचारधारा विकासवाद, समावेशिता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर है। अपने प्रयासों को मिलाकर, सदस्य दलों का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना, कल्याण और प्रगति को बढ़ावा देना और उस विचारधारा का मुकाबला करना है जो भारत के विचार को खतरे में डालती है। गोपाल साहू ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार विफल साबित हो रही है। साय सरकार धर्म के नाम पर जनता को बेवकूफ़ बना रही हैं।राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था लचर है। अपराधियों को अब पुलिस और क़ानून का भय नहीं रहा, आये दिन अपराध हो रहें है और आरोपी मजे से घूम रहें हैं। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री कुम्भकरणी नींद में सोये हुए हैं। जनता त्रस्त और भय में है।

केंद्र ने दिए फोर्टीफाइड चावल टेंडर को निरस्त करने के निर्देश..

रायपुर। फोर्टीफाइड चावल के उत्पादन के लिए आवश्यक फोर्टिफाइड राइस कर्नेल्स की आपूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ में नाफेड (राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ) द्वारा बुलाए गए टेंडर में कुछ अनियमितताओं की शिकायत की गई थी। छत्तीसगढ़ प्रदेश राईस मिलर्स एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि टेंडर में कुछ ऐसे नियम जोड़े गए थे जो केवल कुछ चुनिंदा FRK निर्माताओं के ही पक्ष में थे, जिससे प्रतियोगिता प्रभावित हो रही थी। एसोसिएशन ने इन अनियमितताओं को लेकर भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाने की मांग की गई। इस पर संज्ञान लेते हुए भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ सरकार को निर्देशित किया है कि नाफेड के इस टेंडर को निरस्त करने की प्रक्रिया आरंभ की जाए। इसके साथ ही, नाफेड की भूमिका और कार्यप्रणाली की जांच कर, संबंधित जानकारी मंत्रालय को अवगत कराने के लिए भी कहा गया है। फोर्टीफाइड चावल योजना का उद्देश्य पोषण की गुणवत्ता बढ़ाना है ताकि इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से विशेषकर कुपोषित बच्चों और महिलाओं तक पहुंचाया जा सके। खाद्य मंत्रालय के इस निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ में टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर आवश्यक कदम उठाए जाने की संभावना है, जिससे सभी FRK निर्माताओं को समान अवसर मिल सके।

रेस्टॉरेंट और ढाबों में भी मिलेगी शराब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब रेस्टॉरेंट और ढाबों को भी बार लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है। आबकारी विभाग ने 10 कमरों की अनिवार्यता को खत्म करते हुए इस नई नीति को मंजूरी दे दी है। अब बार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए रेस्टॉरेंट या ढाबों में कम से कम 10 कमरे होना अनिवार्य नहीं रहेगा। यह कदम मुख्य रूप से मदिरा प्रेमियों को सुविधा देने की दिशा में उठाया गया है। हालांकि, इससे आबकारी विभाग के 11 हजार करोड़ रुपये के राजस्व में कोई बड़ा इजाफा होने की संभावना नहीं है। आबकारी विभाग के नए नियमों के तहत, 3- और 4-स्टार रेस्टॉरेंट के साथ-साथ ढाबों को भी बार लाइसेंस दिया जा सकेगा। लाइसेंस शुल्क क्षेत्र की आबादी के हिसाब से तय किया गया है- 1 लाख तक की आबादी वाले क्षेत्र में- 18 लाख रुपये, 3 लाख तक की आबादी वाले क्षेत्र में- 24 लाख रुपये, लाख से अधिक की आबादी वाले क्षेत्र में- 31 लाख रुपये राज्य में शराबबंदी को लेकर लंबे समय से पक्ष और विपक्ष के बीच बहस चल रही है। बावजूद इसके, मदिरा प्रेमियों और रेस्टॉरेंट व्यवसायियों को सुविधा देने के उद्देश्य से सरकार ने खुले मन से यह निर्णय लिया है। आबकारी विभाग का मानना है कि बड़े रेस्टॉरेंट और ढाबों में शराब परोसने से लोगों को काउंटर के साथ अतिरिक्त सुविधा मिल सकेगी।

दक्षिण विधानसभा चुनाव के लिये कांग्रेस की तैयारी बैठक संपन्न

विधायकों, पूर्व विधायकों, वरिष्ठ नेताओं को दी गयी जवाबदारी

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत, प्रभारी सचिवगण एस.ए. सम्पत, जरिता लैतफलांग, विजय जांगिड़ हुए बैठक में शामिल

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव के लिये कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की अध्यक्षता में तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह प्रभारी एस.ए. सम्पत कुमार, एआईसीसी सचिव एवं सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, एआईसीसी संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड़ की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में एआईसीसी के सचिव राजेश तिवारी ने सभी सेक्टर तथा बूथ एवं वार्ड प्रभारियो को उनके क्षेत्र की विस्तृत जानकारी दिया। सभी ब्लाकों में तथा कुल 19 वार्डो में विधानसभा क्षेत्र को बांटकर वरिष्ठ नेताओं को प्रभार दिया गया है। कांग्रेस नेताओं ने इस बात के लिये एकजुटता दिखाई कि दक्षिण विधानसभा में अबकी बार कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाना है।

बैठक को संबोधित करते हुये नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि आप सभी को जिम्मेदारी दी गयी है। 2 मोबाईल से आप लोगो को काम करना है। वोटर को चिन्हित उसे ब्लाक या वार्ड या स्थानीय ही वोटर को चिन्हित कर सकते है। सभी समाज के लोगो को जोड़कर काम करना है। भाजपा ने 10 माह में कौन सा काम किया है उनको

बताना है। सरकार की नाकामी बड़ा मुद्दा है। सूरजपुर में पुलिस की बेटी और पत्नी को मार डाला गया। बलरामपुर की घटना निंदनीय है। बलौदाबाजार, लोहारीडीह की घटना को बताना है। भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ को शर्मसार कर दिया है। भाजपा की सरकार ने सामाजिक वातावरण को खराब किया है। सरकार के खिलाफ वातावरण बना सकते है। 10 महीने में हड़ताल पदयात्रा हो रही है इस सरकार में। भाजपा सरकार ने 10 महीने में अराजकता फैलायी है। भाजपा सरकार की अराजकता को लोगो को बताना है।

एआईसीसी संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि पूरी ताकत से चुनाव लड़ना है। कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा युवा प्रत्याशी है, एनएसयूआई के अध्यक्ष थे, अब युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष है। भाजपा के लोग भ्रम फैलाने का काम करते है। अविश्वास फैलाने की कोशिश की। बूथ में मतदाता चिन्हित करना है। मत वहीं है जो पेटी में डाला जाये और अधिक से अधिक मतदान करवाना है, सहयोग करना है। प्रभावशाली लोगो के साथ मिलकर काम करना है, लोगो को सक्रिय करना है। घर-घर जाकर उम्मीदवार से अपील करना है, कम से कम घर-घर में तीन बार जाना है। वरिष्ठ नेताओं का नुक्कड़ सभा कराने का प्रयास कराये। दिन प्रतिदिन मॉनिटरिंग करनी है। जो साथी काम करने में सहमत है वहीं काम करने आगे आये। कोई 5 मुद्दे लेकर जनता के बीच जायेंगे। प्रभारी सचिन पायलट जी ने कहा है चुनाव को गंभीरता से लेना है। जो नेता काम करे उनसे सहयोग ले। वार्ड वाइस प्रभारी को जिम्मेदारी दिया है। सभी आज से अपने प्रभार क्षेत्र में काम शुरू कर दें।

बैठक में वरिष्ठ एआईसीसी सचिव एवं प्रदेश प्रभारी जरिता लेतफलांग, एआईसीसी सचिव एवं प्रदेश प्रभारी एस.ए. सम्पत कुमार, एआईसीसी सहसचिव एवं प्रदेश सहप्रभारी विजय जांगिड़, पूर्व मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री उमेश पटेल, पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया, पूर्व मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने अपने सुझाव दिया। बैठक का संचालन प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.